www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 82 ■ जशपुर, 17 नवंबर 2026 (मंगलवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

यह आत्महत्या नहीं, भ्रष्ट व्यवस्था की हत्या है, प्रशांत वर्मा की मौत पर दीपक बैज का बड़ा आरोप

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी के सितलरा स्थित सरकारी शराब दुकान के सुपरवाइजर प्रशांत वर्मा की मौत के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आबकारी विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ओवर रेटिंग और अवैध वसूली के दबाव के चलते प्रशांत वर्मा को आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। बैज ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा की गई हत्या करार देते हुए मामले की न्यायिक जांच की मांग की है।

बैज ने आरोप लगाया कि प्रदेश की सरकारी शराब दुकानों में निर्धारित एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है। प्रत्येक बोतल पर 10 से 60 रुपये तक अतिरिक्त वसूली की जा रही थी। इस अवैध वसूली का



हिस्सा ऊपर तक पहुंच रहा था और उच्चाधिकारियों के दबाव में मैदानी कर्मचारियों को काम करना पड़ रहा था। बैज ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि प्रदेश में प्रतिदिन करीब 28 लाख 65 हजार बोतल शराब की बिक्री होती है। प्रति बोतल अतिरिक्त वसूली के आधार पर प्रतिदिन करीब 4.29 करोड़ रुपये, महीने में 129 करोड़ और सालाना 1548 करोड़ रुपये की अवैध वसूली का अनुमान है। उन्होंने पिछले ढाई साल में ओवर रेटिंग के जरिए 3870 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप भी लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में ओवर रेटिंग की शिकायतों के बाद कुछ आबकारी अधिकारियों को निलंबित किया गया था, लेकिन यह कार्रवाई केवल दिखावा साबित हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि अनियमितताओं की जानकारी थी, तो जिम्मेदार बड़े अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? बैज ने प्रशांत वर्मा की मौत के मामले में जोनल आबकारी अधिकारी की भूमिका की न्यायिक अथवा उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ हत्या एवं भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने की मांग की।

अब बस्तर में केंद्रीय बलों की पहले जैसी जरूरत नहीं, गृहमंत्री शर्मा ने दिया बड़ा संकेत

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में मिली सफलता के बाद अब बस्तर में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती में बदलाव शुरू हो गया है। लंबे समय से बस्तर में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक हजार से अधिक जवानों को मणिपुर भेजा जा रहा है। आने वाले एक महीने के भीतर कुछ और बटालियनों की भी बस्तर से वापसी हो सकती है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब केंद्रीय सुरक्षाबलों की पहले जैसी आवश्यकता नहीं रह गई है। सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव आया है और नक्सल विरोधी अभियान में सफलता मिली है, इसी को ध्यान में रखते हुए जवानों को दूसरे स्थानों पर भेजा जा रहा है। गृहमंत्री ने बताया कि बस्तर से सुरक्षाबलों को दूसरे स्थानों पर भेजने की प्रक्रिया कोई नई बात नहीं है। इससे पहले



भी आवश्यकता के अनुसार तैनाती में बदलाव किया जाता रहा है। वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर फोर्स की तैनाती में आवश्यक फेरबदल किया जा रहा है।

बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के खिलाफ लंबे समय से चलाए जा रहे अभियानों में सीआरपीएफ और अन्य केंद्रीय सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब नक्सली गतिविधियों में आई कमी और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव के बीच केंद्रीय सुरक्षाबलों की मौजूदगी की समीक्षा की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अगले एक महीने के भीतर कुछ और बटालियनों को बस्तर से वापस बुलाया जा सकता है। हालांकि कितनी बटालियनों की वापसी होगी और उन्हें किन राज्यों में तैनात किया जाएगा, इस संबंध में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।



ईओडब्ल्यू-एसीबी ने पटवारी-आरआई पदोन्नति परीक्षा पेपर लीक कांड में की बड़ी कार्रवाई, भिंड के दो आरोपी दिल्ली से धराए

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पटवारी से राजस्व निरीक्षक (आरआई) पदोन्नति परीक्षा पेपर लीक मामले में ईओडब्ल्यू-एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के भिंड जिले के दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दोनों को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वीर सिंह जाटव (35) और अरविंद जाटव (41) के रूप में हुई है। दोनों भिंड जिले के उमरी थाना क्षेत्र के ग्राम घना की गड़िया के निवासी हैं। अदालत ने उन्हें 23 नवंबर 2026 तक पुलिस रिमांड पर रखने का आदेश दिया है।

जांच के अनुसार, 7 जनवरी 2024 को आयोजित विभागीय परीक्षा में 216 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। बाद में गड़बड़ी की शिकायत पर जांच ईओडब्ल्यू-एसीबी को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने प्रश्नपत्र मुद्रण समिति से जुड़े सह-आरोपी वीरेन्द्र जाटव के साथ मिलकर पेपर लीक की साजिश रची थी। परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराया गया और इसके बदले मोटी रकम वसूली गई।

15 नवंबर को कार्यपालक दंडाधिकारी की मौजूदगी में कराई गई पहचान परेड में परीक्षा में शामिल पटवारियों ने दोनों की पहचान पेपर उपलब्ध कराने और अवैध वसूली करने वाले व्यक्तियों के रूप में की। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी) और आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के तहत अपराध दर्ज है। रिमांड के दौरान अन्य आरोपियों, नेटवर्क और वसूली गई रकम को लेकर अहम खुलासे की संभावना है।

कैंडल मार्च से दंडवत यात्रा तक, अब मंत्री बंगले का घेराव, कब मिलेगी डीएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति?

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों ने 11 दिन के भीतर दूसरी बार शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले का घेराव किया। इससे पहले 5 नवंबर को भी अभ्यर्थियों ने मंत्री के बंगले में घुसकर धरना दिया था। सोमवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ बंगले के बाहर पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। इस दौरान कुछ लोगों को पुलिस गाड़ी में बैठाकर ले गई।

डीएड अभ्यर्थी सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के शेष रिक्त पदों पर नियुक्ति



की मांग को लेकर पिछले 11 महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से आंदोलन और कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद उनकी मांग पर फैसला नहीं हुआ है। यह मामला साल 2023 की सहायक शिक्षक भर्ती से जुड़ा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बीएड अभ्यर्थियों की नियुक्तियां निरस्त होने के बाद खाली हुए पदों पर पात्र डीएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जानी थी। इसके बावजूद अब तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेशों का पालन कराने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद नियुक्ति नहीं मिलने से वे लगातार परेशान हैं।नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थी अब तक कैंडल मार्च, मौन धरना, दंडवत यात्रा और सांकेतिक प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी प्रमुख मांग 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति और भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए निश्चित समय-सीमा घोषित करने की है।

चैतन्य बघेल की अपील पर ट्रिब्यूनल सख्त, ईडी को 3-4 हफ्ते का समय देने से किया इनकार

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को दिल्ली स्थित अपीलेट ट्रिब्यूनल में चुनौती दी है। ईडी ने चैतन्य बघेल से जुड़ी करीब 61 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है। ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के बाद ईडी को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अब अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

चैतन्य बघेल के वकील हर्षवर्धन परगनिहा के मुताबिक, संपत्ति कुर्की



से जुड़ा मामला पिछले दो महीने से ट्रिब्यूनल में लंबित है। चैतन्य ने ईडी के कुर्की आदेश के खिलाफ पहले ही अपील दायर कर दी थी। ट्रिब्यूनल ने ईडी को जवाब पेश करने के लिए दो अवसर दिए, लेकिन अब तक एजेंसी की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया है।

इसी बीच दीपावली अवकाश के दौरान शनिवार को ईडी ने दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित वि-ल कॉलोनी के 355 प्लॉटों पर कुर्की की कार्रवाई की। कॉलोनी में कुल 385 प्लॉट हैं, जिनमें से 30 प्लॉट पहले ही आम खरीदारों को बेचे जा चुके हैं। ईडी का आरोप है कि शराब सिंडिकेट से अर्जित अवैध धन का निवेश रियल एस्टेट में किया गया था।

चैतन्य की ओर से इस कार्रवाई के खिलाफ तत्काल सुनवाई का आवेदन लगाया गया था। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए 3 से 4 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा, लेकिन ट्रिब्यूनल ने इससे इनकार कर दिया। अब मामले की सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

बताया गया है कि पिछली दो सुनवाइयों में भी ईडी की ओर से कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ था। वहीं, ईडी के सूत्रों के मुताबिक मामले को दिल्ली स्थित कार्यालय देख रहा है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 5 के तहत अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। इसके बाद धारा 5(5) के तहत 30 दिनों के भीतर निर्णायक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दाखिल करना जरूरी होता है। संबंधित पक्ष को धारा 8 के तहत अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। कुर्की की पुष्टि होने पर धारा 26 के तहत 45 दिनों के भीतर अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपील की जा सकती है।



कबरा हाथी के कारण 20 स्कूलों की छुट्टी

चौथे दिन भी ट्रैंकुलाइज करने वन विभाग की टीम कर रही सर्चिंग, गांवों में अलर्ट

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा और सूरजपुर जिले में 6 महीने से दहशत का कारण बना कबरा हाथी अब 17 हाथियों के दल में शामिल हो गया है। सोमवार को 18 हाथियों का दल उदयपुर ब्लॉक के तेंदूटिकरा और सरमा के जंगल में पहुंच गया। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के 20 स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।कबरा हाथी को पकड़ने के लिए वन विभाग का रेस्क्यू ऑपरेशन चौथे दिन भी जारी है। यह हाथी अब तक 19 लोगों की जान ले चुका है। इनमें से 9 लोगों की मौत नवंबर में हुई है। वन विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अब तक अकेले घूमने वाला कबरा हाथी 17 हाथियों के दल में शामिल हो गया है। शुक्रवार को उसके दल में शामिल होने के बाद से वन विभाग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोमवार को 18 हाथियों का दल तेंदूटिकरा और सरमा के जंगल में पहुंचा।

कबरा को ट्रैंकुलाइज करने के लिए बिलासपुर से वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. पीके चंदन और डॉ. जयकिशोर जड़िया की टीम जंगल में सर्चिंग कर रही है। टीम के साथ दो कुमकी हाथी भी हैं।वन विभाग की योजना कबरा को पहले ट्रैंकुलाइज कर बेहोश करने और फिर रमकोला रेस्क्यू सेंटर भेजने की है। ग्रामीणों को जंगल की ओर जाने से रोकने के लिए अलर्ट जारी किया गया है। हाथियों के दल की मौजूदगी के कारण शिक्षा विभाग ने उदयपुर ब्लॉक के आसपास के 20 स्कूलों में सोमवार को छुट्टी कर दी। इनमें बेलदाब, चकेरी, आमाडुगु, सरमा, बासेन, मोहनपुर और दावा के प्राइमरी व मिडिल स्कूल शामिल हैं। वन विभाग की टीमें ड्रोन से हाथियों के दल की लगातार निगरानी कर रही हैं। पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने की हिदायत दी गई है, ताकि किसी तरह की जनहानि से बचा जा सके।

पटवारियों के बाद अब आरआई भी आंदोलन पर, आज एक दिन के सामूहिक अवकाश पर रहेंगे

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच अब राजस्व निरीक्षक (आरआई) भी आंदोलन की राह पर हैं। प्रदेशभर के आरआई 17 नवंबर को एक दिन के सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस दौरान सभी जिलों में आरआई जिला मुख्यालयों में जुटेंगे और मुख्यमंत्री व राजस्व मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे।

संसाधन बिना दबाव का आरोप

संघ का कहना है कि बिना अतिरिक्त संसाधन और व्यवस्था दिए लगातार काम का दबाव बनाया जा रहा है। एक आरआई सर्किल में 3 से लेकर 100 तक गांव आते हैं। प्रदेश में करीब 450 आरआई सर्किल खाली हैं, जिनका अतिरिक्त प्रभार दूसरे आरआई संभाल रहे हैं। ऐसे में पटवारियों की जिम्मेदारी के साथ अपना काम निभाना मुश्किल हो रहा है।

पुरानी मांगें भी लंबित संघ ने कहा कि कई बार ज्ञापन देने के बाद भी ठोस फैसला नहीं हुआ। मांगों में संसाधन भत्ता, फसल कटाई प्रयोग का मानदेय व सामग्री, चैनमैन की व्यवस्था, वेतन विसंगति दूर करना, पदोन्नति, खाली पदों पर भर्ती, अतिरिक्त सर्किल के प्रभार का मानदेय और विभागीय पदोन्नति में आरक्षण प्रतिशत में वृद्धि शामिल है।

पटवारियों का काम आरआई पर क्यों पड़ा बोझ

राजस्व निरीक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार दुबे ने बताया कि पटवारियों की हड़ताल के कारण उनके काम आरआई को सौंपे जा रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) का अप्रूवल, पीवी ऐप से फसल सर्वे, एग्रीस्टैक फार्मर रजिस्ट्रेशन के दावों का अप्रूवल, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्रों का सत्यापन, पटवारियों के हल्कों का प्रभार और राजस्व न्यायालयों के मामलों में स्थल जांच व रिपोर्ट शामिल है।

किसानों को भी परेशानी

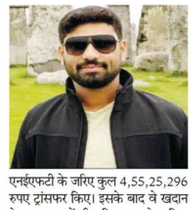
तकनीकी समस्याओं और काम के बंटवारे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने से किसानों को भी परेशानी हो रही है। संघ की मांग है कि किसानों से जुड़े काम समय पर हों, डिजिटल सर्वे और एग्रीस्टैक की तकनीकी दिक्कतें दूर हों और जिम्मेदारी के अनुसार संसाधन मिलें।

पार्टनर बनाने का झांसा देकर हड़पे 4.55 करोड़, माइनिंग कंपनी के डायरेक्टर पर धोखाधड़ी का केस

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कोयला खनन कारोबार में पार्टनर बनाने और मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से 4.55 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर अमन नारायण सिंह ने कोरबा जिले की खदान में साझेदारी का प्रस्ताव देकर कारोबारी से 4 करोड़ 55 लाख 25 हजार 296 रुपए लिए। रकम मिलने के बाद न तो निवेश का पैसा लौटाया और न ही मुनाफे का हिसाब दिया। इसके बाद कारोबारी ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, ऐश्वर्या रेसिडेंसी के अक्षत राजन श्री डायमंड इंडस्ट्रीज के संचालक हैं। कुछ समय पहले उनकी पहचान केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर अमन नारायण सिंह से हुई थी। आरोप है कि अमन ने उन्हें कोरबा जिले के पाली स्थित सरायपाली ओपन कास्ट कोल माइन में बिजनेस पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया। उसने कारोबार में हिस्सेदारी के साथ निवेश की रकम और अच्छा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। प्रस्ताव पर भरोसा कर अक्षत ने आरोपी के अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस और



एनईएफटी के जरिए कुल 4,55,25,296 रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद वे खदान के कामकाज में भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। वर्ष 2023-24 में माइनिंग से जुड़े कामों के लिए ईंधन, मशीनों के रखरखाव और दूसरी जरूरी व्यवस्थाओं पर भी उन्होंने अतिरिक्त रकम खर्च की।

शिकायत में बताया गया है कि जब अक्षत ने निवेश की मूल रकम और मुनाफे का हिसाब मांगा तो आरोपी टालमटोल करने लगा। पिछले एक-दो साल से लगातार पैसे मांगने के बावजूद रकम नहीं लौटाई गई। कारोबारी को लेन-देन और खदान में हुए खर्चों का हिसाब भी नहीं दिया गया। आखिरकार आरोपी ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। लगातार कोशिशों के बाद भी रकम वापस नहीं मिलने पर अक्षत ने 14 नवंबर को तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

जनजातीय गौरव दिवस पर बलरामपुर में सजा जनजातीय विरासत का जीवंत संसार

★ देवगुड़ी से पारंपरिक आवास तक दिखी समृद्ध संस्कृति की झलक ★ जनजातीय गौरव दिवस- आस्था, कला और स्वाद के संगम में दिखी बलरामपुर की समृद्ध जनजातीय विरासत ★ प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में मना जनजातीय गौरव दिवस, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और समाज प्रमुखों का हुआ सम्मान



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर आज हाई स्कूल मैदान बलरामपुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के जिला स्तरीय समारोह में जनजातीय समाज की आस्था, कला, खान-पान और जीवनशैली एक ही स्थान पर जीवंत हो उठी। समारोह महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनी निकुंज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह की शुरुआत अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों के अवलोकन से की। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा तैयार देवगुड़ी में जनजातीय समुदायों के देवस्थल को पारंपरिक स्वरूप में प्रदर्शित किया गया, जिसने लोगों का ध्यान सबसे अधिक खींचा। 'जनजातीय आभूषण, वाद्य यंत्र, कला एवं संस्कृति' स्टॉल में हंसली, रुपया माला, कौड़ी गजरा, नागमोरी और पैरी जैसे पारंपरिक आभूषणों के साथ मांदर, ढोल, झांझ और नगाड़ा जैसे वाद्य यंत्र प्रदर्शित किए गए। यहां बांस से बनी टोकनी, सूपा, झांपी और डलिया जैसी कलाकृतियां भी रखी गई थीं। जनजातीय पारंपरिक आवास में मिट्टी की दीवारों पर बने भित्ति चित्र, धान की बालियों और मक्के से की गई सजावट तथा आजीविका के पारंपरिक साधनों के माध्यम से जनजातीय रहन-सहन को सजीव रूप में दिखाया गया।

जनजातीय ट्राइबल फूड स्टॉल स्वाद और परंपरा का संगम बना रहा। यहां चीला रोटी, ठेकवा रोटी, पीठा रोटी, मक्का रोटी, महुआ लाटा, महुआ लड्डू, रागी आटा, विभिन्न प्रकार की चटनियां और कोयनार, फुटकल, बांस करील व मछली की सुकटी सहित 50 से अधिक पारंपरिक व्यंजन एवं सुकटियां प्रदर्शित की गईं। बिहान योजना के स्टॉल में स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद तथा स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ आयुष्मान कार्ड की जानकारी दी गई। जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति के 19,744 के लक्ष्य के विरुद्ध 19,179 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो 97.14 प्रतिशत उपलब्धि है। मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने बहुत कम आयु में अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर जो संघर्ष किया, वह आज भी हमें अपने अधिकार, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन को सहेजकर प्रकृति के साथ जीना सिखाया है, और आज ये स्टॉल उसी गौरवशाली विरासत का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं से जनजातीय बहुल गांवों तक आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। उन्होंने महिलाओं और बेटियों से शिक्षा और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस हमारे पूर्वजों के बलिदान को स्मरण करने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक व्यंजन और देवगुड़ी हमारी पहचान हैं, जिन्हें सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनी निकुंज ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के जनजातीय परिवार तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं, और पंचायतों के माध्यम से गांवों के विकास को नई गति मिल रही है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिला प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं से परिपूर्ण है। जिले के जनजातीय भाई-बहन कृषि, वनोपज संग्रहण, हस्तशिल्प, शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर हो, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो, युवाओं को कौशल व रोजगार के अवसर मिलें और कोई भी पात्र परिवार शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। युवाओं से उन्होंने कहा कि वे अपने सपनों को सीमित न रखें, क्योंकि वे भी डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी बनकर जिले और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा जनजातीय समाज प्रमुखों का सम्मान किया गया। करचा और धनजी के नर्तक दलों तथा सेजेस बलरामपुर और वाग्देवी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री एवं लाभ का वितरण किया गया साथ ही 05 पहाड़ी कोरवा हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, श्री राम लखन पैकरा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री समीक्षा जायसवाल, जनप्रतिनिधि, जनजातीय समाज के वरिष्ठजन, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय महापर्व का हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल समेत आसपास के तमाम छठ घाटों पर सोमवार की सुबह व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय कठिन व्रत को विधिवत पूरा किया। अस्ताचल से शुरू हुई आस्था की यात्रा उदीयमान सूर्य के पहले किरणों के साथ विराम पा गई। रविवार की शाम को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूरी रात घाटों पर जागरण का माहौल रहा। नगर के गायत्री मंदिर प्रांगण, गोरखनाथपुर, हरीटिकरा, तेलईकछार, सिलफिली, लटोरी, कुमदा कालोनी, रामनगर और आसपास के दर्जनों घाटों पर भक्ति गीतों की धुनें गूंजती रहीं। सोमवार की सुबह सूर्योदय से पहले ही घाटों पर फिर से भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों के हाथों में सुप और बांस की टोकरियां सजी हुई थीं। फूल, फल, ठेकुआ, कसैली और अन्य प्रसाद से सजी इन टोकरियों को सूर्य की पहली किरणों के साथ अर्घ्य दिया गया। कोयलांचल जैसे औद्योगिक और खनन क्षेत्र में भी छठ की यह लोक-संस्कृति आज भी उतनी ही जीवंत और प्रभावशाली है। घाटों की आकर्षक लाइटिंग रात भर चमकती रही और पानी में रंग-बिरंगी बत्तियों की परछाइयां झिलमिलाती रहीं।





छठ महापर्व की यह सामूहिक भावना इसे सिर्फ व्यक्तिगत व्रत नहीं, बल्कि पूरे समाज का उत्सव बनाती है। आयोजन समितियों ने हर छठ घाट को इस तरह सजाया था कि शाम के उजाले में भी वे जगमगा रहे थे। बाजारों में भी पिछले कुछ दिनों से रौनक साफ दिख रही थी। लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचे थे उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने अपना व्रत तोड़ा। प्रसाद बांटा गया, एक-दूसरे को बधाई दी गई और आस्था का यह महापर्व एक बार फिर सफल समापन की ओर बढ़ गया।

कोयलांचल की इन घाटों पर छठ की परंपरा सदियों पुरानी आस्था की आवाज बनकर आज भी गूंज रही है।

निजामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस में महिला का पर्स पार, डेढ़ लाख से अधिक का सामान चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। निजामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस में सफर कर रही एसईसीएल बिश्रामपुर की डिपार्टमेंटल कॉलोनी निवासी एक महिला का अज्ञात चोरों ने पर्स पार कर दिया। घटना ग्वालियर स्टेशन के पास की बताई जा रही है।

महिला की शिकायत पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार डिपार्टमेंटल बिश्रामपुर कॉलोनी निवासी 52 वर्षीय पुष्पा देवी पति गोरखनाथ सिंह पिछले दिनों दिल्ली में अपनी बेटी और दामाद से मिलने गई थीं। 10 नवंबर को वह ट्रेन संख्या 22408 निजामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस के एसी कोच बी 4 की सीट नंबर चार पर सवार होकर बिश्रामपुर लौट रही थीं। 11 नवंबर की भोर करीब तीन से चार बजे के बीच ग्वालियर स्टेशन के पास जब वह सो रही थीं, तभी अज्ञात चोर उनके सिर के नीचे रखा पर्स लेकर फरार हो गया। नींद खुलने पर पर्स गायब देख उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ की, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। महिला के मुताबिक पर्स में करीब 10 ग्राम सोने का मंगलसूत्र और लॉकेट, रेडमी मोबाइल, 6500 रुपए नकद, पैन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और एसबीआई का एटीएम कार्ड रखा था। चोरी गए सामान की कुल कीमत डेढ़ लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।



ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

चलती ट्रेन के एसी कोच में हुई इस वारदात ने रेल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रात में संचालित ट्रेनों में आरपीएफ के जवानों द्वारा स्कॉर्ट किए जाने के बावजूद चोरी और उठाईगिरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

अन्नदाताओं के बीच पहुंचीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, तौल मशीन की पूजा कर बलरामपुर उपार्जन केंद्र में तिलक-माला से किसानों का किया सम्मान



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर खरीदी व्यवस्था और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। केंद्र में उन्होंने परंपरा के अनुरूप तौल मशीन की विधिवत पूजा-अर्चना की और धान बेचने पहुंचे कृषक बंधुओं का तिलक लगाकर व माला पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनके बीच बैठकर तौल, टोकन, भुगतान तथा केंद्र की व्यवस्थाओं के बारे में आत्मीयता से चर्चा की।

किसानों से बातचीत करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धान का हर दाना किसान के महीनों के पसीने, धैर्य और उम्मीदों से तैयार होता है। जब किसान अपनी उपज लेकर उपार्जन केंद्र आता है, तो उसके साथ परिवार के सपने और आने वाले दिनों की जरूरतें भी जुड़ी होती हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि किसान को केंद्र में कोई परेशानी न हो, उसका धान सही तौल के साथ खरीदा जाए और उसे मेहनत का पूरा मूल्य समय पर मिले। उन्होंने कहा कि किसानों का मान ही छत्तीसगढ़ की शान है और राज्य सरकार अन्नदाताओं के सम्मान व समृद्धि के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र में तौल व्यवस्था, नमी जांच, बारदाना, स्टैकिंग, पेयजल और छाया जैसी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और समिति कर्मचारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र पहुंचे किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए, तौल पारदर्शी ढंग से की जाए और किसी भी किसान को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान खरीदा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती की जा रही है। नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य है, और धान में नमी अधिकतम 17 प्रतिशत तक स्वीकार्य है। जिले में खरीदी के पहले दिन 37 केंद्रों में 6,584 क्विंटल धान खरीदा गया, जो पिछले वर्ष के पहले दिन से लगभग 20 गुना अधिक है। मंत्री ने किसानों से तुहर टोकन ऐप से टोकन लेकर निर्धारित तिथि पर साफ-सुथरा और सूखा धान केंद्र में लाने की अपील की।

युवती की मांग में जबरन सिंदूर लगाने की कोशिश, पुलिस ने किया जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुमदा बस्ती की एक 19 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ करते हुए जबरन सिंदूर लगाने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत कुमदा बस्ती निवासी एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि परिचित युवक जयप्रकाश रजक ने पहले शादी का वादा किया, फिर परिवार के दबाव में मुकर गया और अब बार-बार छेड़छाड़ करता है। गत दिनों 25 अक्टूबर की शाम जब युवक ने दुकान पर आकर युवती को जबरन पकड़कर मांग में सिंदूर लगाने की कोशिश की। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि आरोपी जयप्रकाश रजक पिता हरकलाल रजक से उसकी करीब पांच महीने से जान-पहचान थी। दोनों ने एक-दूसरे के नंबर लेकर बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान जयप्रकाश ने शादी करने का वादा किया और युवती भी उससे शादी करने को राजी थी। लेकिन कुछ समय बाद जयप्रकाश अपने घर वालों के दबाव में आकर शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ने लगा। आखिरकार युवती ने उसका नंबर अपने मोबाइल से डिलीट कर दिया। शिकायत के मुताबिक 20 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे युवती घर से दुकान जा रही थी। स्कूल के पास जयप्रकाश ने रास्ता रोक छेड़छाड़ शुरू कर दी और हाथ पकड़ लिया। युवती ने खुद को छुड़ाकर वहां से भाग निकली थी। 25 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे जयप्रकाश ने युवती की दुकान पर पहुंचकर जबरन उसे पकड़ मांग में सिंदूर लगाने की कोशिश कर झगड़ा-विवाद करने लगा। युवती की रिपोर्ट पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिश्रामपुर में आज सजेगा मां भगवती का भव्य दरबार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री नवयुवक दुर्गा मंडल बिश्रामपुर द्वारा आयोजित 23 वां वार्षिक उत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्सव के अवसर पर 17 नवंबर मंगलवार को रात्रि 8.15 बजे से बस स्टैंड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में भव्य एवं दिव्य मां भगवती जागरण और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

जागरण में मुख्य आकर्षण जबलपुर के प्रसिद्ध जय मातेश्वरी जागरण ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मां भगवती की आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां होंगी। इन झांकियों के माध्यम से माता रानी के विभिन्न दिव्य स्वरूपों की मनोरम छटा देखने को मिलेगी। वहीं सुप्रसिद्ध भजन गायकों की मधुर भजन प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगी।

आयोजन को और भी यादगार बनाने के लिए माता की चुनरी भेंट, अखंड ज्योत प्रज्वलन, डांडिया नृत्य एवं फूलों की होली जैसे विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। संपूर्ण कार्यक्रम चंद्रेश महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। मंडल द्वारा आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

श्री नवयुवक दुर्गा मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर मां भगवती के दर्शन, भजन-कीर्तन एवं दिव्य झांकियों का आनंद लेने तथा माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर आज 17 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष सात दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ की जाएगी। संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरा लाल एवं क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बिश्रामपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों में कार्यरत सैकड़ों ठेका श्रमिकों द्वारा गत दिनों 5 अक्टूबर को पोड़ी ग्राउंड से रैली निकालकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया था। बावजूद इसके क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा श्रमिकों की जायज मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस बीच 5 नवंबर को हुई वार्ता में भी श्रमिकों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकल सका और वार्ता विफल रही। प्रबंधन के इसी उदासीन रवैये के विरोध में संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है, जिसके तहत आज 17 से 24 नवंबर तक क्रमिक भूख हड़ताल की जाएगी। यदि इस अवधि में भी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 25 नवंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। ठेका श्रमिकों की मांग है कि सभी खदानों में कार्य समिति का अनिवार्य गठन किया जाए। सभी ठेका श्रमिकों को नियमानुसार नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रदान किया जाए।कोयला ट्रांसपोर्ट, साइडिंग, सोलर प्लांट एवं खान परिसर के सभी कामगारों को एचपीसी वेज का भुगतान हो। बायोमेट्रिक व उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज हो एवं प्रति माह 26 दिन का कार्य सुनिश्चित किया जाए। हर महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान और अनिवार्य वेतन पर्ची दी जाए। कॉरपोरेट बैंक खातों से वेतन भुगतान हो ताकि श्रमिकों को कॉरपोरेट बीमा का लाभ मिल सके। बोनस/पीएलआई का पूर्ण भुगतान हो तथा गायत्री एवं केतकी खदान के वर्ष 2024-25 का बकाया बोनस तुरंत दिया जाए। खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो और दुर्घटनाओं को छुपाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगे।

गायत्री एवं केतकी खदान के आसपास रेजगार के नाम पर हो रही अवैध धन उगाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। पूर्व में वेतन से काटी गई सीएमपीएफ राशि की तत्काल वापसी या समायोजन किया जाए।

दिल्ली में डॉ. राहुल अग्रवाल को मिला महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। समाजसेवा, सामाजिक नेतृत्व और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने वाले सूरजपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी व औद्योगिक घराने पीआरए ग्रुप के सदस्य डॉ. राहुल अग्रवाल, टिंकू को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड के अंतर्गत अग्र गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा 14 नवंबर को जनपथ स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। विभिन्न सामाजिक, मानवीय सेवा, दिव्यांग सेवा, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में उनके उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान सूरजपुर के लिए गौरव का विषय है। डॉ. राहुल अग्रवाल लंबे समय से समाजसेवा और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। सामाजिक एकता को मजबूत करने, दिव्यांग सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने, पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य व कला के क्षेत्र में उनके योगदान को विशेष रूप



से सराहा गया। व्यापार जगत में अपनी पहचान बनाने के साथ ही सामाजिक दायित्वों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और विभिन्न संस्थाओं में संगठनात्मक नेतृत्व की भूमिका ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है। उनके सामाजिक सरोकार केवल किसी एक संस्था या गतिविधि तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में निरंतर प्रयास उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता और सेवा भावना को प्राथमिकता देते हुए किए गए उनके कार्यों के फलस्वरूप उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया। देश विदेश से चयनित प्रमुखों को ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया। जिसे देश के सभी राज्यो के साथ अमेरिका, जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, नेपाल, मैनचेस्टर, हांगकांग, यूएई, दुबई, इंडोनेशिया से सामाजिक अग्रजो की भी अवार्ड से नवाजा गया। आयोजित भव्य समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व राष्ट्रीय व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील सिंघी की उपस्थिति रही। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रणेता एवं चेयरमैन प्रदीप मित्तल सहित देशभर से पहुंचे थे।

राष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया सूरजपुर का मान

डॉ. राहुल अग्रवाल, टिंकू को मिले इस राष्ट्रीय सम्मान से सूरजपुर सहित पूरे सरगुजा अंचल के अग्रवाल समाज में हर्ष और गौरव का माहौल है। समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी निरंतर सक्रियता और समर्पण को मिली यह उपलब्धि अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणादायी है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राहुल अग्रवाल पूर्व में भी विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और उपलब्धियों को व मानवीय मूल्यों के कर्तव्यों के निर्वहन को लेकर चर्चा में रहे हैं। महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सेवा भावना व समाजवाद से जुड़े इस ख्यातिलब्ध सम्मान ने उनके सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान प्रदान की है।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुआ मिनी मैराथन एवं खेलकूद



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ जीवनशैली, खेल भावना एवं सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यहां मिनी मैराथन एवं विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर कार्यालय से मंगल भवन तक मिनी मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मिनी मैराथन के पश्चात मंगल भवन में रस्साकशी एवं कबड्डी जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा बच्चों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों, नशे से दूर रहने, खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही सभी को नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण से के.सी. त्रिपाठी, सुरेश कुमार साहू, आलोक भवाला, सहायक संचालक शिक्षा अजय कुमार सिंह, एस.के. शुक्ला, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेश गोयल सहित शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं एवं बच्चों को यह संदेश दिया गया कि खेल एवं सकारात्मक गतिविधियां स्वस्थ समाज के निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। सभी ने नशे से दूर रहने तथा नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

तिवरागुड़ी में धान खरीदी शुरू, तौल कांटे का पूजन कर मोनिका सिंह ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। किसानों की मेहनत और खुशहाली से प्रदेश की समृद्धि का रास्ता जुड़ा हुआ है। इसी भावना के साथ ग्राम तिवरागुड़ी में धान खरीदी केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह शामिल हुईं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे का विधिवत पूजन-अर्चन कर धान खरीदी की शुरूआत की। इस अवसर पर किसानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भुइयां के भगवान कहे जाने वाले किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी का शुभारंभ किया है। किसान हमारे देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत



आधारशिला हैं। किसानों की उन्नति और समृद्धि के साथ ही देश एवं प्रदेश का विकास जुड़ा हुआ है। इसलिए किसानों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार जो वादे करती है, उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। धान खरीदी किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे उन्हें अपनी मेहनत की उपज का उचित लाभ मिल सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था और सुविधाओं के साथ धान खरीदी की जाएगी। मोनिका सिंह ने किसानों को डिजिटल सुविधाओं की जानकारी देते हुए कहा कि किसान अपनी सुविधा के अनुसार ह्वातुहर टोकन मोबाइल ऐप्प के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं। इससे किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचने और खरीदी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी किसानों से शासन की सुविधाओं एवं योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का अभिनंदन करते हुए सफल और व्यवस्थित धान खरीदी की शुभकामनाएं दीं। धान खरीदी केंद्र के शुभारंभ से क्षेत्र के किसानों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री सौभाग्य दुबे, सुमित साहू, हेमलता राजवाड़े, अजय पाण्डेय, सुमन्त साहू, सुंदर लाल सिंह, योजित राजवाड़े, गणेश्वर सिंह, लहरी यादव, तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

जरही छठ घाट पर आरएसएस का सेवा शिविर, श्रद्धालुओं को पिलाई चाय

जरही। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर जरही छठ घाट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से चाय स्टॉल लगाकर सेवा कार्य किया गया। घाट पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को गर्मागर्म चाय वितरित कर स्वयंसेवकों ने सेवा और सहयोग का संदेश दिया। छठ महापर्व के दौरान जरही छठ घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान सूर्य की उपासना की। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरएसएस की ओर से चाय स्टॉल लगाया गया, जहां स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ लोगों को चाय पिलाई। इस सेवा कार्य में मुकेश सिंह, अभय तिवारी, नागेंद्र सिंह, सुजीत मेहता और शशि रंजन सिंह शामिल रहे। सभी ने निलकर चाय वितरण की व्यवस्था संभाली और घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं की सेवा की।

भगवान बिरसा मुंडा जी का संघर्ष, त्याग और बलिदान पूरे देश के लिए गौरव का विषय है - प्रदीप यादव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) इकाई प्रतापपुर के कार्यकताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर भव्य संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करके किया गया। साथ ही उनके जीवन संघर्ष, साहस और जनजाति समाज व देश के प्रति उनके योगदान को याद किया गया।भगवान बिरसा मुंडा जी ने जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और संस्कृति की रक्षा के



लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन हम सभी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने संघर्ष और विचारों से समाज को जागरूक करने का काम किया। शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर के प्राचार्य रजनीश प्रसाद ने संबोधित करते हुए छात्र-छात्राओं को भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपनी जल, जंगल, जमीन, अपने जनजाति समाज और भारतीय संस्कृति के लोगों के लिए संघर्ष किया। साथ ही भूगोल विभागाध्यक्ष गोपीश्वर साय, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती एलिन एक्का ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कोरिया विभाग संयोजक प्रदीप यादव ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि भगवान बिरसा मुंडा ने 25 वर्ष की अल्प आयु में ही समाज को संगठित कर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध लोहा लिया था, हम सभी को अपने जीवन में भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपनाना चाहिए। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिंकू नाविक ने बताया कि हम सभी विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद, भगवान बिरसा मुंडा के बताए आदर्शों को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभाविप कोरिया विभाग संयोजक प्रदीप यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिंकू नाविक, नगर मंत्री प्रतापपुर बरत लाल आयम, धरमपुर इकाई नगर मंत्री नारायण राम पैकरा, अभिषेक, राज यादव, श्रवण पैकरा, विकाश श्रीवास्तव, दिलीप यादव, श्याम यादव, पीयूष मित्तल, कौशिल्या, अनिमा, सत्या, कांति, मीना, ऐश्वर्या, मुनिया एवं सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

होलीक्रॉस अंग्रेजी माध्यम स्कूल में धूमधाम से मना बाल दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, (अंग्रेजी माध्यम) में बाल दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव रहे। बैण्ड की धुन पर मुख्य अतिथि को सम्मानपूर्वक मंच तक लाया गया और सुंदर सजावटी पौधा भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया गया। परम्परा का पालन करते हुए दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण के पश्चात शिक्षक वृंद द्वारा प्रार्थना गीत के माध्यम से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। प्राचार्य डॉ. सि. जेस्सी द्वारा स्वागत उद्बोधन से मुख्य अतिथि एवं सभी बच्चों का स्वागत किया गया।



तत्पश्चात शिक्षक वृंद द्वारा तैयार समूह गान एवं समूह पैरोडी नृत्य की प्रस्तुति हुई। इतना ही नहीं शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 'जैसी करनी वैसी भरनी' प्रहसन की प्रस्तुति से सबको हँसा-हँसाकर लोटपोट कर दिया। इसी बीच पूरे वर्ष भर 100 प्रतिशत उपस्थिति देने वाले बच्चों एवं वार्षिक क्रीड़ा समारोह में सामूहिक खेल के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। 'नृत्य एंजिल्स' के माध्यम से शिक्षकों ने बच्चों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे सभी उंगलियाँ बराबर नहीं होतीं, वैसे ही सारे बच्चे टॉपर ही नहीं हो सकते। किन्तु आप जो भी कर सकते हैं, उसमें बिल्कुल कोताही न बरतें। आप में जो भी प्रतिभा है, उसमें शत-प्रतिशत दीजिए, आप जीवन में अवश्य सफल होंगे। धन्यवाद ज्ञापन कक्षा 11वीं की छात्रा एवं विद्यालय की उपाध्यक्ष शाम्भवी सिंह ने किया।

जरही में छठ महापर्व की भव्यता, दीपों से सजा घाट, गंगा आरती में डूबे श्रद्धालु

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर जरही छठ घाट में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। चार दिवसीय महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्रती महिलाओं एवं पुरुषों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से भगवान सूर्य की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, आरोग्यता एवं संतान की दीर्घायु की कामना की। तीसरे दिन शाम करीब 5:14 बजे अस्ताचलगामी सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पित किया गया। अंतिम दिन सोमवार सुबह तड़के से ही घाट पर भीड़ जुटने लगी। सुबह करीब 6:10 बजे उदीयमान सूर्य के दर्शन के साथ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। छठी मैया के



पारंपरिक गीतों और जयकारों से पूरा घाट परिसर भक्तिमय हो उठा। नगर पंचायत जरही ने घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं कराई, वहीं युवा समिति जरही की ओर से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गंगा आरती का आयोजन किया गया। दीपों की जगमगाहट, शंखनाद और आरती की गूंज ने घाट को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। दीपों से सजे घाट का मनमोहक दृश्य विशेष आकर्षण रहा। कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियों और भक्तिमय गीत-संगीत ने लोगों का मन मोह लिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह से कार्यक्रम का आनंद लिया। नगर पंचायत और युवा समिति के सामूहिक प्रयासों से संध्याकालीन अर्घ्य से लेकर उगते सूर्य को अर्घ्य और भव्य गंगा आरती तक पूरे आयोजन में उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

बदहाल शिक्षा व्यवस्था से नाराज 12वीं के छात्र-छात्राओं का फूटा गुस्सा, 8 किमी पैदल चलकर बीईओ से मिलने निकले विद्यार्थी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। पुहपुटरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बदहाल शैक्षणिक व्यवस्था से नाराज 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को मोर्चा खोल दिया। नियमित कक्षाएं नहीं लगने, शिक्षकों के देर से पहुंचने और विषयवार शिक्षकों की कमी से परेशान विद्यार्थी शिकायत लेकर बीईओ से मिलने करीब 8 किलोमीटर पैदल ही लखनपुर ब्लॉक मुख्यालय के लिए निकल पड़े।

विद्यार्थियों के आरोप

24 शिक्षकों का स्टाफ होने के बाद भी पढ़ाई संतोषजनक नहीं है। हिंदी, कृषि एवं आर्ट्स संकाय में विषयवार शिक्षकों की कमी से बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। कई शिक्षक समय पर नहीं पहुंचते, नियमित कक्षाएं नहीं लगतीं, पाठ्यक्रम अधूरा है। शिक्षकों के देर से आने की बात उठाने पर प्राचार्य ने टीसी काटने की धमकी दी। शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं, स्कूल भवन का निर्माण आधा-अधूरा है। अब तक शैक्षणिक भ्रमण नहीं कराया गया, मांग पर फंड की कमी का हवाला दिया जाता है।

रास्ते में अधिकारियों ने रोका

पैदल चलते हुए विद्यार्थी कैमरा जनपद कार्यालय के पास पहुंचे तो सूचना पर बीईओ देव कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार



सर्वेश पटेल, थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को रोककर समस्याएं सुनीं, निराकरण का आश्वासन दिया और वाहन से सभी को वापस विद्यालय भेजा। इसके बाद प्रशासनिक टीम विद्यालय पहुंची और स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर पूरे मामले पर चर्चा की।

क्या बोले अधिकारी

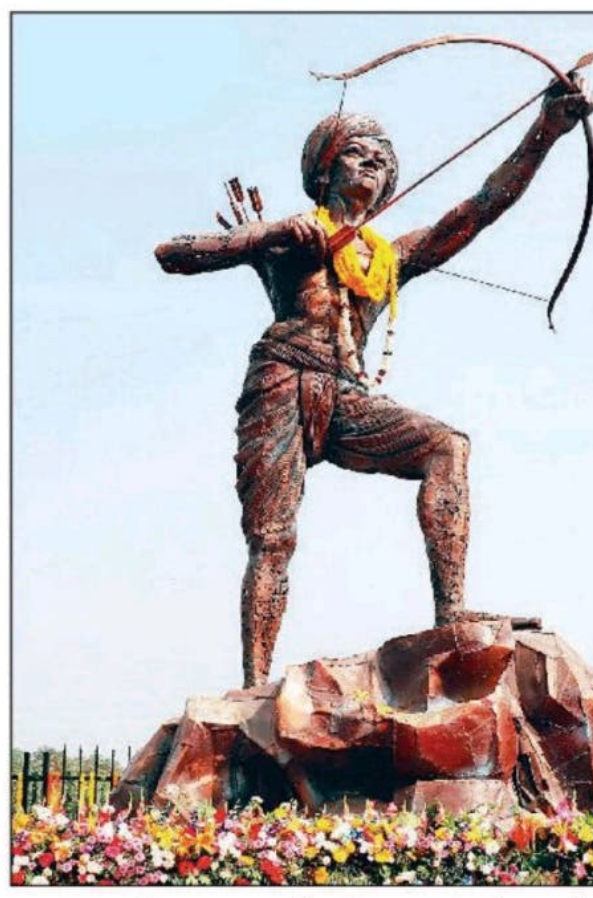
बीईओ देव कुमार गुप्ता : प्राचार्य और विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक भ्रमण को लेकर इशू है। देवगढ़ के लिए अनुमति मिली है, लेकिन विद्यार्थी अन्यत्र जाना चाहते हैं। स्कूल में बैठक के बाद ही मामला स्पष्ट होगा। पढ़ाई और शिक्षकों की कमी पर भी चर्चा कर निराकरण किया जाएगा। प्रभारी प्राचार्य गोकुल प्रसाद जांगड़े : शैक्षणिक भ्रमण सोमवार को फाइनल होना था। विद्यालय में नियमित रूप से पढ़ाई होती है।

बड़ा सवाल

24 शिक्षकों के बाद भी 12वीं के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आई? बोर्ड परीक्षा सिर पर है, अब देखना होगा कि आश्वासन के बाद व्यवस्था में कितना सुधार होता है।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस : राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक



जनजातीय गौरव दिवस

विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़)

हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

भारत की पहचान हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से है। इस महान सांस्कृतिक विरासत को संजोने में हमारा जनजातीय समाज सदैव अग्रणी रहा है। हमारी जनजातीय परंपराओं के प्रति सम्मान है, सामाजिक समरसता और अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। जनजातीय गौरव दिवस केवल महान नायकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के समग्र योगदान को सम्मान देने का दिन है।

इस गौरवशाली परंपरा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का नाम विशेष आदर के साथ लिया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अस्मिता के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों और मतांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। वर्ष 1899 में उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान अर्थात महाविद्रोह केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था। वह जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के परंपरागत अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की लड़ाई भी थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना बलिदान दिया, उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के इस महान योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान दिया है। उनके नेतृत्व में वर्ष 2021 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह ऐतिहासिक निर्णय जनजातीय नायकों के बलिदान और समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। आज देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने महान नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।

श्रद्धेय भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य का गठन हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की दूरदृष्टि से जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय कल्याण की योजनाओं को भी नई दिशा मिली है। पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं जनजातीय परिवारों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम जनमन योजना से छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवार और धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6 हजार 691 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने में हमारे जनजातीय समाज के भाई–बहनों का बड़ा आशीर्वाद रहा। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गारंटी पर भरोसा करते हुए जनता ने भाजपा की सरकार बनाई और जनजातीय समाज के साधारण कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।

माओवाद का सबसे अधिक दंश जनजातीय समाज ने झेला है। दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस हिंसक विचारधारा को समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाहजी ने माओवाद के विरूद्ध जिस तरह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई उससे आज देश वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल हुआ है। इसका सर्वाधिक लाभ जनजातीय क्षेत्रें के सर्वांगीण विकास के रूप में देखने को मिल रहा है। एक समय था जब बस्तर के अनेक गांव नक्सल हिंसा के कारण विकास से दूर रह गए थे। सड़कें नहीं थीं, स्कूल बंद थे और लोगों को सामान्य सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज बस्तर में बदलाव का नया दौर शुरू हुआ है। नियद नेल्लानार एवं बस्तर मुन्ने जैसी पहल के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री जी के करकमलों से नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक–सह–जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन हुआ। यह संग्रहालय हमारे पूर्वजों के संघर्ष, साहस और बलिदान की जीवंत गाथा है। जनजातीय समाज के साथ हमारे प्रधानमंत्री जी की आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस बार दीपावली जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में जवानों के बीच मनाई।

मैंने जनजातीय समाज के संघर्ष को भी करीब से देखा है। वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर मुझे राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा मिली। वनवासी समाज के लोग सरल–सहज होते हैं, कई बार देशविरोधी ताकतें इसका फायदा उठाती है। भगवान बिरसा मुंडा मतांतरण जैसी सामाजिक बुराई के विरूद्ध प्रेरणापुंज हैं। उनकी प्रेरणा से ही मैं स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी के नेतृत्व में मतांतरण के विरूद्ध अभियान का हिस्सा बना। छत्तीसगढ़ भांचा राम का ननिहाल है। माता शबरी के जूठे बेर यहीं भगवान राम ने वनवास के दौरान खाए। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू कर लोगों को रामलला के जन्मस्थली अयोध्या धाम की यात्रा को आसान बनाया।

आज हमारा दायित्व है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के माध्यम से साकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के समावेशी विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

जनजातीय समाज के सम्मान से ही सशक्त भारत



जनजातीय गौरव दिवस

कर्मवीर सिंह

जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्र के स्वाभिमान तक, भगवान बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास की ऐसी प्रेरणागाथा है, जो आज भी देश को दिशा दिखाती है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की जड़ें जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही समृद्ध हमारी जनजातीय परंपराएं भी हैं। भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान केवल अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की स्वतंत्रता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश, इतिहास के अनेक पन्नों में इन महानायकों के संघर्ष और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे वास्तविक रूप से हकदार थे। इसी ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जनजातीय गौरव दिवस, जिसे प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों के स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव को नमन करने का दिन है।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा का जीवन असाधारण संघर्ष और अदम्य साहस की मिसाल है। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातू ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच उनका पालन-पोषण किया। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और सामाजिक चेतना से संपन्न बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में यह समझ लिया था कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी चुनौती उसकी जमीन, संस्कृति और पारंपरिक अधिकारों पर बढ़ता बाहरी हस्तक्षेप है।

उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और शिक्षा, स्वच्छता, नैतिकता तथा सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धा से 'धरती आबा' अर्थात धरती के पिता कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन उनके प्रति केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अपनी धरती और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' अर्थात हमारा देश, हमारा राज का उनका विचार आदिवासी स्वशासन, अधिकार और आत्मसम्मान की भावना का प्रतीक बन गया। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह नहीं था, बल्कि अपनी पहचान, परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार की लड़ाई भी था। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया। उनके आंदोलन के बाद आदिवासी भूमि अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी बदलाव हुए। 1908 का



छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण परिणाम था। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरता और बलिदान की अनेक गाथाओं की साक्षी रही है। वीर नारायण सिंह और शहीद गुंडाधुर जैसे जननायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान की विरासत छोड़ी है।

बस्तर की गौरवशाली परंपराओं से लेकर सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता तक, जनजातीय समाज ने अपनी पहचान और विरासत को जीवित रखा है। उनके पर्व, परंपराएं, सामुदायिक जीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान हमें विकास का एक ऐसा दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलते हैं।आज आवश्यकता है कि जनजातीय समाज की इस समृद्ध विरासत को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, शोध, पर्यटन, कला और राष्ट्रीय विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए।

जनजातीय गौरव दिवस हमें अतीत के बलिदानों को याद करने के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारियों का भी एहसास कराता है। किसी समाज का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

आज जनजातीय क्षेत्रों में विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, वन अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना तथा जनजातीय भाषाओं और परंपराओं का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान में मोदी सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और विकास, दोनों क्षेत्रों में अपने संकल्प के अनुरूप प्रयास कर रही है। आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि विकास की इस यात्रा में जनजातीय समाज की भागीदारी केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार के रूप में हो। जनजातीय समाज के युवाओं को शिक्षा, खेल, तकनीक, उद्यमिता, प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, जनजातीय महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूती मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का 1 नवंबर 2025 को उद्घाटन भी इसी ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह संग्रहालय उन अनेक जनजातीय नायकों के योगदान को सामने लाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।

क्योंकि जनजातीय समाज का सम्मान केवल अतीत के बलिदानों को याद करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य में उनके सपनों को साकार करने से होगा।

यह हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि जनजातीय गौरव दिवस पर हम ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहां विकास के साथ विरासत सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और हर जनजातीय नागरिक को सम्मान, समान अवसर और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का अधिकार मिले।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यही संदेश देता है—अपनी धरती से जुड़े रहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व कीजिए और अपने अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए सदैव सजग रहिए।

जय धरती आबा!

-लेखक भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।

जनजातीय खेल प्रतिभाओं को मिल रही नई पहचान



जनजातीय गौरव दिवस

अरुण साव

बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं का अपार भंडार है। यहां के युवाओं में साहस, जीवटता, शारीरिक क्षमता और संघर्ष का अद्भुत जज्बा है। अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्हें उचित प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के अभाव में अपनी क्षमता साबित करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। इन प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का मंच देना छत्तीसगढ़ के खेल विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय खिलाड़ियों को स्थानीय प्रतियोगिताओं से लेकर राष्ट्रीय खेल मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

किसी खिलाड़ी की प्रतिभा उसकी भौगोलिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन और परिश्रम से आंकी जानी चाहिए। इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों में खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का विस्तार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 22 करोड़ 54 लाख रुपए का प्रावधान है। इसमें बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए, बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए दो करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। युवा कल्याण गतिविधियों और राज्य युवा उत्सव के लिए भी दो-दो करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

जनजातीय खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित मार्गदर्शन और उपयुक्त खेल मैदानों की उपलब्धता शामिल है। इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष सरगुजा, कांकेर, जशपुर और गरियाबंद में स्टेडियम निर्माण के लिए 35 करोड़ 32 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृतियां दी गई हैं। सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम, कांकेर के सिंगारभाट और गरियाबंद में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम तथा जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। जशपुर में तीरंदाजी अकादमी के लिए 16 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं के विकसित होने से जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता निखारने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर देने की दृष्टि से बस्तर ओलंपिक एक महत्वपूर्ण पहल है। बस्तर संभाग के सात जिलों में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएं दूरस्थ गांवों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देती हैं। जो खिलाड़ी बड़े खेल आयोजनों तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, उन्हें अपने क्षेत्र से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक का उल्लेख 'अनूठे ओलंपिक' के रूप में किया है। इसी तरह



सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से संभाग के छह जिलों में 12 खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों की वास्तविक उपलब्धि केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि उन प्रतिभाओं को सामने लाना है, जिनके पास हुनर तो है, लेकिन उसे प्रदर्शित करने के अवसर सीमित रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में सामने आया। देश के इस पहले आयोजन की मेजबानी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जनजाति समाज के सर्वप्रिय जननेता श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व मे छत्तीसगढ़ ने 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में की। एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती की सात खेल विधाओं ने जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने का राष्ट्रीय मंच दिया। प्रदेश के व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर दो लाख रुपए, रजत पर डेढ़ लाख रुपए और कांस्य पदक पर एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। ऐसे आयोजन जनजातीय खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय अंचलों की बेटियों में भी खेल प्रतिभाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के अधिक अवसर मिलें, इसके लिए महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए 76 लाख रुपए तथा ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक करोड़ छह लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। जनजातीय परिवारों की बेटियों को खेल के मैदान तक पहुंचने और अपनी पहचान बनाने के अवसर उपलब्ध कराना सामाजिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

खेल जनजातीय युवाओं के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। मैदान पर मिली सफलता उन्हें नई आकांक्षाओं से जोड़ती है। बस्तर ओलंपिक को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी और जनजातीय बहुल जिलों में खेल सुविधाओं के विस्तार की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। हालांकि खेल अधोसंरचना का निर्माण और प्रतियोगिताओं का आयोजन अपने आप में अंतिम लक्ष्य नहीं है। इनका वास्तविक महत्व तभी है, जब दूरस्थ गांवों का प्रतिभाशाली खिलाड़ी इन सुविधाओं का उपयोग कर अपने प्रदर्शन को बेहतर बना सके और बड़ी प्रतियोगिताओं तक पहुंचे।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेलों की संभावनाएं व्यापक हैं। इन संभावनाओं को उपलब्धियों में बदलने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, नियमित प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धा के अवसरों के बीच निरंतरता आवश्यक है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रयास इसी दिशा में केंद्रित हैं। हमारा उद्देश्य है कि वनांचल के प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले और वे प्रदेश, देश तथा अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें।

बस्तर के किसी सुदूर गांव का युवा जब राष्ट्रीय प्रतियोगिता के मैदान पर उतरता है या सरगुजा की कोई बेटी अपनी खेल प्रतिभा से पहचान बनाती है, तो वह उपलब्धि केवल एक खिलाड़ी की नहीं होती। उसमें पूरे जनजातीय समाज की आकांक्षाएं और आने वाली पीढ़ियों के सपने शामिल होते हैं। इन्हीं सपनों को अवसर, प्रशिक्षण और मजबूत आधार देना हमारी प्राथमिकता है। वनांचल की प्रतिभाओं का आगे बढ़ना ही छत्तीसगढ़ के खेल भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बनेगा। इसे मजबूती मिले इस दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है ।

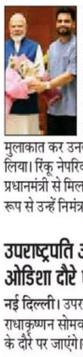
-लेखक छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री हैं।



खबर संक्षेप

रिंकू ने प्रधानमंत्री को दिया शादी का निमंत्रण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज के साथ होने वाले



अपने विवाह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। शादी से पहले रिंकू ने पीएम मोदी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। रिंकू नेपरिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलकार व्यक्तिगत रूप से उन्हें निमंत्रण दिया।

उपराष्ट्रपति आज जाएंगे ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को ओडिशा के दौरे पर जाएंगेवे भुवनेश्वर में



विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित एक विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह भुवनेश्वर के मेफेयर सेंचुरी कन्वेंशन हॉल में होगा। वे श्री श्री विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन करेंगे।

उत्तराखंड में इबोला का खतरा, निगरानी शुरू

देहरादून। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुछ अफ्रीकी देशों में बढ़ रहे इबोला वायरस के प्रकोप



के बीच उत्तराखंड सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इन अफ्रीकी देशों से आने वाले 55 पर्यटकों की निगरानी भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने पर्यटकों की जानकारी ससमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

60 दिन के लिए सोनम हाउस अरेस्ट किए गए

लेह। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 60 दिन के लिए नजरबंद कर दिया गया है और



रैलियों ,जुलूसों में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से यह आदेश जारी किया गया है।प्रशासन ने पुलिस की एक रिपोर्ट और लेह पुलिस प्रमुख के एक पत्र का हवाला दिया है।

प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर गढ़चिरौली में किया संबोधित

नक्सली हिंसा की एक बड़ी कीमत आदिवासियों ने चुकाई, पिछली सरकारों ने की समाज की उपेक्षा

माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद अब स्थिति बदल गई

केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डिजिटल माध्यम से दिया संबोधन



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सली हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में उन्हें मतदान के अधिकार से भी वंचित रखा गया। पिछली सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया था । प्रधानमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारें उस समय भी मूकदर्शक बनी रहीं, जब माओवादी जबरन बच्चों को उठा ले जाते थे और आदिवासी युवतियों का अपहरण करते थे। पिछली सरकारें मूकदर्शक बनी रहीं। माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद अब स्थिति बदल गई है। आदिवासी माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं और सरकार को आशीर्वाद दे रही हैं। बच्चों को अब शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

अब लोगों को मिल रही सुविधाएं

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए 'पीएम-जनमन' योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एक लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया।

18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी बिजली से वंचित रहे 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है और लोगों को 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा भी दी जा रही है।

170 परियोजनाओं का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में इसी दिन शुरू हुआ जनजातीय गौरव दिवस अब राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करोड़ों लोगों ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि इस अवसर पर रविवार को आदिवासी विकास से जुड़ी 170 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि विभिन्न राज्यों में 70 से ज्यादा परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इन सभी परियोजनाओं की कुल लागत करीब 30 हजार करोड़ है।

आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया

उन्होंने बताया कि 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से ज्यादा आकांक्षी ब्लॉक में विशेष विकास अभियान चलाए गए हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि के क्षेत्र में पिछड़े 100 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदायों के योगदान को याद करते हुए कई आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया, जिनमें खासी पहाड़ियों के तिरोत सिंह, कोल आंदोलन के नेता, संथाल विद्रोह के सिद्धो-कान्हू, गोविंद गुरु, रानी गाइदिन्ल्यू, टंट्या भील, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी दुर्गावती शामिल हैं।

अपनी विरासत और नायकों को गर्व से याद कर

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की बहुत-बहुत बधाई। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। देश आज अपने आदिवासी नायक और नायिकाओं को गर्व से याद कर रहा है।

राष्ट्रपति समेत दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

बिरसा मुंडा के जीवन को बताया शौर्य और पराक्रम का प्रतीक



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने एक्स पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास व योगदान को याद किया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, देश के महान सपूत भगवान बिरसा मुंडा का जीवन शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है।

नवीन ने रायपुर में 'गौरव दिवस' मनाया

'दिमागी नक्सलियों' को चेतावनी केंद्र सरकार उन्हें सबक सिखाएगी



एजेंसी ▶▶ रायगढ़

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लोगों से 'दिमागी नक्सलियों' के प्रति सतर्क रहने की अपील की तथा आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग कई संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नवीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों एवं कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। वे छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को डिजिटल रूप से संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। नवीन को धरमजयगढ़ में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान उतर नहीं सका, जिसके चलते उनका दौरा रद्द करना पड़ा।

3 तरह के लोगों से सचेत रहने को कहा

नवीन ने माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन कुछ 'दिमागी नक्सली' अब भी सक्रिय हैं और अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर काबिज हैं। उन्होंने लोगों को 3 तरह के लोगों से सावधान रहने को कहा, एक वे जो शहरों में वातानुकूलित कमरों में बैठकर नीतियां बनाते हैं और बच्चों को क्रांति की बातें करने के लिए उकसाते हैं-दूसरे वे जो संविधान का नाम तो लेते हैं, लेकिन लोगों को लोकतंत्र के खिलाफ भड़काते हैं। और तीसरे वे जो ऐसे 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-अलग संगठनों के जरिए बढ़ावा देते हैं।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोटबैंक बनाया

नवीन ने कहा कि सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी। नवीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोट का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान ही 'जनजातीय कार्य मंत्रालय' की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा, 'भाजपा आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव

टूाई ने फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसा

चक्रवाती तूफान मचाएगा हलचल

सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस सपा में रार, खींचातानी बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान और रार बढ़ गई है।खबरों और अखिलेश यादव के बयान के अनुसार कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस का तर्क है कि उसने 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन और जातीय समीकरणों के आधार पर ये सीटें मांगी हैं।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है,बात सीट की नहीं जीत की है, मुख्य लक्ष्य गठबंधन की जीत है। सपा सांसद शिवपाल सिंह पटेल ने कांग्रेस की 181 सीटों की मांग को अव्यावहारिक बताते हुए कहा है कि कांग्रेस को अधिकतम 50 से 65 सीटों के बीच समझौता करना चाहिए।

3 महीने में 1.24 लाख मोबाइल कनेक्शन और संसाधन बंद किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने स्पैम और फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसते हुए जुलाई से सितंबर के दौरान लगभग 1.245 लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन और टेलीकॉम संसाधनों पर बड़ी कार्रवाई की है। पहली बार नियम तोड़ने वाले 1,10,325 टेलीकॉम संसाधनों की आउटगोइंग सेवाएं 15 दिन के लिए निलंबित की गईं। बार-बार नियम तोड़ने वाले 13,777 कनेक्शनों को पूरे 1 साल के लिए बंद कर दिया गया। अनचाहे कमर्शियल मैसेज भेजने वाले 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए। 15.29 लाख शिकायतों में 7.23 लाख पर कार्रवाई की।19.9 अरब संदेशास्पद कॉल्स और एसएमएस की पहचान की। प्रमोशनल कॉल्स के लिए '140' सीरीज, बैंकिंग/इंश्योरेंस सेवाओं के लिए नई सुविधा दी।



नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब 17 नवंबर तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में बारिश होने का अनुमान है। शनिवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा और गहरे दबाव में बदल गया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुलाबी मण्डल उर्फ गुलाबी मण्डल पिता स्व० अजय मण्डल व अन्य निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 155/4 रकबा 0.600 हे0 मेसे रकबा 1.40 एकड़ भूमि को अनावेदक नरेश विश्वास आ०रंजीत विश्वास व अन्य निवासी शांतिपारा सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 30,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुरजिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका भगवती देवी आ०/पति सुरेश कुमार अग्रवाल जाति, निवासी ब्रम्ह रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-पोस्ट ऑफिस रोड़, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4011/10, 4011/11 रकबा 0.06 1/4, 0.08 1/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-25.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांकः- 10.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमल चौधरी पिता धनन्जय चौधरी निवासी सुभाषनगर भगवानपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 140, 143/1 रकबा 1.310, 0.935 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध हक त्याग पत्र दिनांक 07.10.2026 के माध्यम से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 02/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शची देवी मण्डल आ०बकुल साना निवासी सिसरिंगा रायगढ तहसील धरमजयगढ जिला रायगढ छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 186/17 रकबा 0.040 हे० भूमि को अनावेदक अमन पाण्डेय पिता सतीश कुमार पाण्डेय निवासी फुन्दुडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 140, 143/1 रकबा 1.310, 0.935 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध हक त्याग पत्र दिनांक 07.10.2026 के माध्यम से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 02/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयंत बोस पिता बिमल बोस निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 204/9 रकबा 0.540 हे0 भूमि मेसे 16-16 डिसमिल भूमि को अनावेदक अमन पाण्डेय पिता सतीश कुमार पाण्डेय व अन्य निवासी फुन्दुडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 25,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मीरा पाण्डेय पति स्व० दयानंद पाण्डेय, उम्र 38 वर्ष, निवासी भारतीय आदर्श विद्यालय के पीछे, हाऊस नं० 19. अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के ससुर स्व० सच्चिदानंद पाण्डेय के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला रिंग रोड प्रतापपुर नाका के पास स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2009/6 रकबा 800 वर्गफीट भूमि स्थित है। आवेदिका के ससुर अर्थात पूधारक सच्चिदानंद पाण्डेय की मृत्यु दिनांक 20.08.2026 को हो गई है। तद्उपरांत आवेदिका द्वारा उक्त भूमि के संबंध में फौति नागांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-28/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, हैदर अली पिता मो मुस्लिम, निवासी मकान नं. 105, धोबीपारा, कुनकुरी, जिला जशपुर, छत्तीसगढ़, पिन कोड 496225, अपने पुराने नाम हैदर अल्ली (HAIDAR ALLi) को बदलकर नया नाम हैदर अली (HAIDER ALI) रख लिया हूँ। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय तथा अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम हैदर अली पिता मो मुस्लिम से जाना एवं पहचाना जाए।

हैदर अली
पिता: मो मुस्लिम
निवासी: मकान नं. 105, धोबीपारा, कुनकुरी, जिला जशपुर, छत्तीसगढ़ - 496225

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, अभय कुमार सिंह, पिता प्रेम सिंह, निवासी ग्राम पोड़ी खुर्द, पोस्ट मनोहरपुर, तहसील शंकरगढ़, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़, पिन कोड 497118, अपना पुराना नाम अभय कुमार सिंह बदलकर नया नाम अभय सिंह रख रहा हूँ। अतः अब भविष्य में मैं समस्त शासकीय एवं अशासकीय तथा अन्य दस्तावेजों में अभय सिंह के नाम से जाना एवं पहचाना जाऊँ।

अभय सिंह
ग्राम पोड़ी खुर्द, पोस्ट मनोहरपुर, तहसील शंकरगढ़, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ - 497118

युवती पर डंडों से जानलेवा हमला, निजी अस्पताल में भर्ती

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों कुछ लोगों ने एक युवती पर डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल युवती का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। इस मामले में पीड़िता के पिता ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थानान्तर्गत पहाड़पुर के मजरा हिमनीखेड़ा निवासी अशोक सिंह के मुताबिक उनकी 20 वर्षीय बेटी कल्पना सिंह अमेजन कंपनी में काम करती है। अशोक का कहना है कि 12 नवंबर को वह कंपनी से घर लौट रही थी। तभी जुनाबर्गज-मोहनलालगंज रोड पर खटोला में वन विभाग के जंगल के पास पहुंचते ही उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना अंतर्गत दरेहटा निवासी अजय कुमार रावत ने अपने दो तीन साथियों के साथ मिलकर उस पर डंडों से हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। बाद में हमलावर उसे मरा समझकर मौके से फरार हो गए। पीड़िता के पिता का कहना है कि कंपनी के कर्मचारियों ने उसे पहले पास के अस्पताल पहुंचाया

विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजना भी हमारी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय वीर नायकों का संघर्ष और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। इन महानायकों ने न केवल मातृभूमि की आजादी के लिए संघर्ष किया, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपराओं, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए भी अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन हमें साहस, एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय आज बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर श्रेस्वतंत्रता संघर्ष में जनजातीय नायकों का योगदानश विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने जनजातीय वीथिका का अवलोकन कर जनजातीय वीर नायकों के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने मात्र 25 वर्ष के जीवन में अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित किया और उलगुलान आंदोलन के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। उनका साहस, स्वाभिमान और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती जनजातीय वीरों के साहस और बलिदान की साक्षी रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूखी जनता की सहायता के लिए संघर्ष किया और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई। इसी प्रकार अनेक जनजातीय नायकों ने देश



की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इन महानायकों की गौरवगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाना आवश्यक है, ताकि हमारे युवा अपने इतिहास और संस्कृति पर गर्व कर सकें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनकी 151वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों, महाविद्यालयों और विकासखंड स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जनजातीय नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।

जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ विकास को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराएँ और जीवन मूल्य छत्तीसगढ़ की पहचान हैं। हमारी सरकार इन्हें सहेजने के साथ ही जनजातीय परिवारों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जनजातीय बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के लगभग साढ़े छह हजार गाँव शामिल हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक सड़क, बिजली, रसोई गैस और सौर ऊर्जा जैसी बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं। राज्य सरकार ने जनजातीय समाज की परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था को सहेजने वाले मांझी, चालकी और बैगा का मानदेय भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का आसीन होना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारी सरकार का प्रयास है कि समाज के युवाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलें और वे विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। मुख्यमंत्री साय ने जनजातीय समाज के उत्थान में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के योगदान की सराहना की।

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर प्रवास के दौरान गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता, जनजातीय समाज के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके महान संघर्ष एवं बलिदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जनजातीय वीथिका का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय



गौरव, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। उन्होंने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष देश के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनका जीवन हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों की रक्षा के साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी। यह प्रतिमा हमें जनजातीय नायकों के साहस, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमारी आने वाली पीढ़ियों को इस गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना आवश्यक है।

जनजातीय वीथिका में दिखी वीर नायकों के संघर्ष और बलिदान की गौरवगाथा

मुख्यमंत्री साय ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जनजातीय वीथिका का अवलोकन किया। उन्होंने यहाँ प्रदर्शित जनजातीय महापुरुषों के जीवन, उनके संघर्ष, वीरता और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान से जुड़ी जानकारियों को देखा तथा इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वीर नायकों का साहस और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। जनजातीय वीथिका के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को अपने महान नायकों के इतिहास, संस्कृति और योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। ऐसे प्रयास हमारी समृद्ध विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारा

अजय चंद्राकर का कांग्रेस पर तंज, बोले- वोट बचाओ नहीं, कांग्रेस बचाओ अभियान चलाए पार्टी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के ह्यवोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे से पहले भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने अभियान पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को ह्यवोट बचाओ, देश बचाओ की जगह ह्याकांग्रेस बचाओ अभियान चलाना चाहिए। अजय चंद्राकर ने कहा कि ह्यवोट चोरी, वोट बचाओ संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने जैसा है। कांग्रेस के पास अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के अलावा कोई जनहित का मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने सुखदेव भगत की राजनीतिक



योग्यता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि झारखंड में कांग्रेस कितने समय से सत्ता से बाहर है।

नितिन नबीन के दौरे पर कांग्रेस के आरोपों का जवाब

जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के शामिल नहीं होने को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा पर जनता से डरने का आरोप लगाए जाने पर भी चंद्राकर ने पलटवार किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या कांग्रेस का कार्यालय मौसम विभाग का कार्यालय है? कांग्रेस नेताओं को मौसम विभाग में संविदा पर नियुक्त कर देना चाहिए, क्योंकि उन्हें मौसम की अच्छी जानकारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौसम खराब होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। छत्तीसगढ़ से सीआरपीएफ की नक्सल विरोधी बटालियन को हटाए जाने के मुद्दे पर अजय चंद्राकर ने कहा कि बस्तर में अब डी-माइनिंग का काम शेष है। क्षेत्र में शांति बहाल हो चुकी है, जिसके चलते बटालियन की वापसी हो रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में स्थिति में सुधार आने के बाद नेताओं की सुरक्षा भी कम की गई है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की दुर्लभ पांडुलिपियां और ताम्रपत्र बने आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45 वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सदियों पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां और प्राचीन ताम्रपत्र आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ पवेलियन में प्रदर्शित 16वीं शताब्दी की स्वर्ण अक्षरों में लिखित श्रीमद्भगवद्गीता की दुर्लभ पांडुलिपि विशेष आकर्षण का केंद्र है। गोंडवाना की शासिका रानी दुर्गावती के समकालीन कालखंड से संबंधित यह पांडुलिपि प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही वर्ष 1735 का मराठाकालीन ताम्रपत्र भी प्रदर्शनी में रखा गया है, जो तत्कालीन अभिलेखीय परंपरा और ऐतिहासिक धरोहर का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

'छत्तीसगढ़ के दुर्लभ पांडुलिपियां और ताम्रपत्र प्रदर्शित'

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, रायपुर द्वारा लगाई गई इस विशेष प्रदर्शनी में विभिन्न कालखंडों की दुर्लभ पांडुलिपियां और ताम्रपत्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें



रामायण के बालकांड और किष्किंधा कांड से संबंधित पांडुलिपियों के साथ राधा विनोद महाकाव्य, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद तथा अन्य साहित्यिक और धार्मिक विषयों से जुड़े हस्तलिखित ग्रंथ शामिल हैं।

ताड़पत्र पर लिखित पांडुलिपियां भी विशेष आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में ताड़पत्र पर लिखित पांडुलिपियां भी विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। प्राचीन काल में कागज के व्यापक प्रचलन से पहले ताड़पत्रों पर ग्रंथों और महत्वपूर्ण जानकारियों को लिखकर सुरक्षित रखा जाता था। वहीं ताम्रपत्रों का उपयोग महत्वपूर्ण अभिलेखों, राजकीय आदेशों और अन्य ऐतिहासिक विवरणों को दर्ज करने के लिए किया जाता था। वर्ष 1735 का मराठाकालीन ताम्रपत्र इसी ऐतिहासिक अभिलेखीय परंपरा का परिचय कराता है।

दुर्लभ पांडुलिपियों और ताम्रपत्रों का यह संग्रह नई पीढ़ी को अपनी ऐतिहासिक धरोहर से परिचित कराने में सहायक

यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ की उस समृद्ध विरासत को सामने ला रही है, जिसमें लोककला और जनजातीय संस्कृति के साथ साहित्य, धर्म, इतिहास और पारंपरिक ज्ञान का भी महत्वपूर्ण स्थान रहा है। विशेष रूप से 16वीं शताब्दी की स्वर्ण अक्षरों वाली गीता की पांडुलिपि उस काल की उत्कृष्ट लेखन कला और आध्यात्मिक परंपरा का परिचय कराती है। दुर्लभ पांडुलिपियों और ताम्रपत्रों का यह संग्रह नई पीढ़ी को अपनी ऐतिहासिक धरोहर से परिचित कराने के साथ उनके संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित कर रहा है। भारत मंडपम के हॉल नंबर 4 के प्रथम तल पर 1000 वर्गमीटर क्षेत्र में स्थापित छत्तीसगढ़ पवेलियन में इन ऐतिहासिक धरोहरों के साथ प्रदेश की पारंपरिक कला, शिल्प, स्थानीय उत्पादों और विकास की संभावनाओं को भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रपति भवन में मिला सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की शिल्प परंपरा और पीढ़ियों से संजोए गए हुनर को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में विशेष पहचान मिली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रदेश के कोंडागांव और रायगढ़ से पहुंचे 50 बेलमेटल शिल्पकारों से मुलाकात की। पारंपरिक बेलमेटल शिल्पकला को जीवंत बनाए रखने वाले इन कलाकारों के लिए यह एक गौरवपूर्ण अवसर रहा। राष्ट्रपति भवन में हुई इस विशेष मुलाकात ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कारीगरी और शिल्पकारों की पीढ़ियों की साधना को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत और सचिव राजेश सिंह राणा भी उपस्थित रहे।



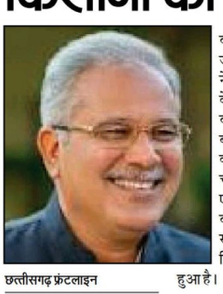
छत्तीसगढ़ के 50 बेलमेटल शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में राष्ट्रपति से मुलाकात की

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कोंडागांव एवं रायगढ़ के बेलमेटल शिल्पकारों से भेंट करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसी क्रम में शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रपति से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ की बेलमेटल कला, विशेष रूप से बस्तर की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प परंपरा, अपनी विशिष्ट निर्माण शैली और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है। धातु से तैयार देवी-देवताओं, पशु-पक्षियों, लोकजीवन और पारंपरिक आकृतियों में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की गहरी छाप दिखाई देती है। कोंडागांव के शिल्पकार पीढ़ियों से इस कला को संरक्षित करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी कला एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिलते रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों की यह मुलाकात प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और पारंपरिक कारीगरी की विशिष्ट पहचान

यह अवसर उन शिल्पकारों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो पीढ़ियों से प्राप्त पारंपरिक ज्ञान, कौशल और कलात्मक विरासत को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। राष्ट्रपति भवन तक उनकी पहुंच छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और पारंपरिक कारीगरी की विशिष्ट पहचान को रेखांकित करती है।

भूपेश बघेल का बीजेपी पर हमला, बोले- किसानों को चोर समझती है सरकार



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय सुरक्षाबलों की बस्तर से वापसी, धान खरीदी और प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ जवानों की वापसी महज एक प्रशासनिक व्यवस्था है। नक्सलवाद पूरी तरह खत्म होने का दावा तभी सही माना जाएगा, जब क्षेत्र में सामान्य व्यवस्था बहाल हो जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को केवल सुरक्षाबलों की वापसी या जमा आंकड़े बताने के बजाय विकास कार्यों की जानकारी देनी चाहिए। पंचायतों को एक करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था, सरकार बताए कि उस दिशा में कितना काम हुआ है।

धान खरीदी को लेकर सरकार पर लगाए आरोप

धान खरीदी के मुद्दे पर भूपेश बघेल ने राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार की नीतियों से ऐसा लग रहा है कि किसानों को धान बेचने से रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह मूर्खता की हद है। बघेल ने कहा कि पहले किसानों को टोकन के लिए धान खरीदी केंद्रों में जाना पड़ता था। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों को चोर की नजर से देख रही है, जबकि किसान कड़ी मेहनत से फसल तैयार करते हैं।

सरगुजा में राजनीतिक सक्रियता पर भी कसा तंज

भाजपा द्वारा सरगुजा संभाग में राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की तैयारियों को लेकर पूछे गए सवाल पर बघेल ने स्मृति ईरानी के हालिया फीडबैक दौरे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता पहले जमीनी स्तर पर कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे। अब किसानों के बीच जाकर उनकी स्थिति समझने की कोशिश की जा रही है।

अजय चंद्राकर पर भूपेश बघेल का पलटवार

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर की टिप्पणी पर भी भूपेश बघेल ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अजय चंद्राकर कभी-कभी अचानक सामने आते हैं। वे केवल विधानसभा तक सीमित रह गए हैं और उन्हें पार्टी में साइडलाइन कर दिया गया है। कांग्रेस पर बयान देकर वे सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। वहीं, जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के शामिल नहीं होने को लेकर अजय चंद्राकर के बयान पर भी बघेल ने तंज कसा। उन्होंने सवाल किया कि अजय चंद्राकर उस समय रायगढ़ में थे या कुरुद स्थित अपने बंगले में आराम फरमा रहे थे? जब मुख्यमंत्री रायपुर में मौजूद थे, तो उसी समय नितिन नबीन रायगढ़ कैसे पहुंच गए? पूर्व मुख्यमंत्री के इन बयानों से प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी एक बार फिर तेज हो गई है।

प्रशासन की तत्परता से तातापानी में 48 घंटे में बहाल हुई नल जल आपूर्ति, ग्रामीणों ने जताया आभार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से ग्राम तातापानी के ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिली है। ग्राम में पिछले कुछ समय से हर घर नल जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति बाधित थी। मामला संज्ञान में आते ही कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

निर्देश के बाद विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर पाइपलाइन सुधार का कार्य शुरू किया और 48 घंटे के भीतर नल जल योजना को फिर से सुचारु रूप से चालू कर दिया। अब ग्राम में नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों, विशेषकर आदिवासी परिवारों को बड़ी राहत मिली है। घर-घर नलों से पानी पहुंचने पर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है।

समस्या के त्वरित समाधान से प्रसन्न होकर ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता श्री अमरदीप मिंज ने समस्त ग्रामवासियों की ओर से जिला प्रशासन को आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राम की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर इतनी जल्दी उसका निराकरण करना इस बात का प्रमाण है कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

उमड़ा आस्था का सैलाब.....

दुल्हन की तरह सजे रेणुका के तट पर भगवान सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

सुख समृद्धि की कामना के साथ चार दिनों के महापर्व छठ का हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को उदयीमान भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के साथ चार दिनों के महापर्व छठ का समापन हो गया। रविवार को सूर्योपासना के महापर्व छठ पर दुल्हन की तरह सजे रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट में अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने श्रद्धालुओ का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा समिति के द्वारा रेणुका के तट स्थित छठ घाट में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक व्यवस्थाएं की गई थी। समूचे घाट क्षेत्र को रंगबिरंगे रौशनी से दुल्हन की तरह सजाया गया था। शहर सहित समूचे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सूर्योपासना का महापर्व छठ भक्तिमय वातावरण में उत्साह से मनाने की परंपरा है और इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओ ने लोक आस्था के इस महापर्व को आस्था और उत्साह के साथ मनाया। सोमवार को उदयीमान भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के साथ चार दिनों के इस कठिन तपस्या के महापर्व छठ का समापन हो गया।

रविवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देने बड़ी संख्या व्रती छठ घाट पर पहुंचे थे। अपनी अपनी मानता व आस्था के अनुरूप ढोल नगाड़े व अन्य परंपरागत बाजे के साथ पहुंचे व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर



को अर्घ्य दिया। इस वर्ष गंगा आरती छठ पूजा में आकर्षण का केंद्र रही। वहीं स्थानीय कलाकारों के द्वारा छठी मईया के भजनों की ह्रदयस्पर्शी प्रस्तुति दी गई। श्रद्धालुओ की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर भी सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्थाएं की गई थी। सड़क से लेकर घाट तक व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस और यातायात की टीम सक्रिय रही तो वहीं आयोजन स्थल पर जिला प्रशासन एवं नगर पालिका की पूरी टीम सुरक्षा व्यवस्था व उपकरणों के साथ छठ घाट पर तैनात रही। जिले के सभी छठ पूजा स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए थे। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर पुलिस अधिकारी, पुलिस के जवान को तैनात किया गया था। आयोजन के दौरान छठ पूजा समिति के अध्यक्ष गणेश सोनी, आनिल गुप्ता सुनील विश्वकर्मा, गोविंद साहु, संतोष सोनी, पंकज चौबे, सुनील सोनी, श्रवण जैन, प्रदीप सोनी, सुरज अवस्थी, संजय सोनी, मोन्टु मिश्रा, विक्की मिश्रा, भोला कुशवाहा, प्रवीण विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण व्यवस्था बनाने सक्रिय रहे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक रहे मौजूद

महापर्व के दौरान छठ घाट पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, सीएसपी विशाल गर्ग, कोतवाली प्रभारी प्रहलाद यादव अपनी टीम के साथ आयोजन स्थल पर पूरे समय मौजूद रहे। वहीं यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पूरी टीम के साथ सक्रिय रहे।

महूली घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छठ पूजा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। छठ पूजा के अवसर पर महूली स्थित छठ घाट पर बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं और श्रद्धालु पहुंचे थे। व्रती महिलाएं विधि विधान से भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की और अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान महिलाओं ने छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की लंबी आयु की कामना की।

घाट पर रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी व्रती महिलाओं की उपस्थिति ने छठ पूजा की धार्मिक छटा को और आकर्षक बना दिया। छठ घाट पर श्रद्धालुओं की मौजूदगी और पारंपरिक छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। पर्व को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया। महूली ,कोल्हूआ रामगढ़ सहित चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छठ पूजा को लेकर उत्सवी माहौल रहा।

चौपाटी की दुकानों की नीलामी निरस्त करने की मांग

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर यहां नगर पालिका द्वारा पुराना बस स्टैंड स्थित चौपाटी की दुकानों के आबंटन हेतु जारी नीलामी को तत्काल निरस्त करने मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर पालिका द्वारा 11 नवंबर को एक सूचना जारी की गई है इसके तहत पुराना बस स्टैंड चौपाटी की 19 रिक्त दुकानों को 30 वर्षीय लीज पर देने के लिए ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिसमें दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है।



कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने स्पष्ट किया कि पूर्व में नगर पालिका परिषद् की बैठक में चौपाटी के आबंटन को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। उस बैठक में छोटे व्यवसायियों के आवेदनों पर विचार करते हुए सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया था कि उप अभियंता द्वारा निर्मित दुकानों की दर तैयार कर वहां पहले से ठेला-गुमटी लगाकर व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदारों को लागत मूल्य और एक हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर तत्काल आबंटन किया जाएगा। पुराना बस स्टैंड चौपाटी में ठेला और गुमटी के माध्यम से अपनी आजीविका चलाने वाले सभी व्यापारी अत्यंत छोटे स्तर के व्यवसायी हैं, जो आर्थिक रूप से इतने सक्षम नहीं हैं कि वे महंगी नीलामी में हिस्सा लेकर दुकान खरीद सकें। ऐसे में दुकानों का ऑक्शन कराया जाना इन गरीब और छोटे व्यापारियों के साथ सीधा अन्याय होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनहित और छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी को ध्यान में रखते हुए जारी निविदा को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, तथा नगर पालिका परिषद् द्वारा पूर्व में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर ही पात्र छोटे व्यवसायियों को दुकानें आबंटित की जाएं। यदि प्रशासन द्वारा समय रहते इस पर उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो कांग्रेस छोटे व्यापारियों के समर्थन में उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत की आज कांटारोली में विशाल जनसभा व जनचौपाल

० तारा कोल ब्लॉक प्रभावित ग्रामीणों से करेंगे सीधा संवाद ० बघेल, बैज, महंत, टीएस सहित जुटेंगे दिग्गज नेता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे वोट बचाओ>देश बचाओ अभियान के तहत आज 17 नवंबर मंगलवार को प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कांटारोली में विशाल जनसभा एवं जनचौपाल का आयोजन किया गया है। दोपहर 2 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस संगठन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत, पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव तथा जिला प्रभारी गुलाब कमरो सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रहेगी। इन दिग्गज नेताओं का एक साथ कांटारोली पहुंचना क्षेत्र के राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तारा कोल ब्लॉक से प्रभावित ग्रामीणों के साथ प्रस्तावित भेंट-मुलाकात एवं जनचौपाल होगी। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ग्रामीणों की समस्याएं, मांगें और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सुनेंगे। कोल ब्लॉक से प्रभावित परिवारों की चिंताओं, स्थानीय लोगों के हितों और उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी बात सीधे प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के सामने रखने का अवसर मिलेगा।

गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे वोट बचाओ>देश बचाओ अभियान के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता का प्रयास किया जा रहा है। कांटारोली का यह आयोजन इसी अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में जिला, ब्लॉक एवं मंडल स्तर के समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

उत्तर प्रदेश से अवैध धान परिवहन पर कार्रवाई, धान से लदे 4 पिकअप जब्त



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से धान के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से धान लेकर आ रहे 4 पिकअप वाहनों को पकड़कर जब्त किया गया और आगे की कार्रवाई के लिए थाना सनावल के सुपुर्द किया गया। प्रकरण में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए जिले में कुल 24 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें रामानुजगंज विकासखंड में 10, वाड्रफनगर में 7, कुसमी में 4 और शंकरगढ़ में 3 चेकपोस्ट शामिल हैं। इन चेकपोस्टों पर तैनात अमले के साथ जिला व तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दल लगातार निगरानी रख रहे हैं और संदिग्ध वाहनों की सघन जांच कर रहे हैं।

छठ महापर्व पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अस्ताचलगामी सूर्यदेव को दिया संध्या अर्घ्य, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े विगत दिवस बलरामपुर के सेंदुर नदी बैगा पारा स्थित छठ घाट पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं।



उन्होंने व्रतधारी महिलाओं और श्रद्धालुओं के साथ अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था, तप, संयम और पवित्रता का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति, जल और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व परिवार और समाज को एकजुट कर सामूहिकता और सद्भाव का संदेश भी देता है। सेंदुर नदी के तट पर पारंपरिक गीतों और श्रद्धा-भक्ति के वातावरण के बीच स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्रतधारी महिलाएं, श्रद्धालु एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्राथमिकता से करें पीएमओ पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निराकरण : रेना जमील

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर दिया विशेष जोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों में संचालित शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने तथा पीएमओ पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए टेलीमेडिसिन, एनसीडी स्क्रीनिंग,डायबिटीज उपचार एवं फॉलोअप, सर्वाइकल कैंसर एवं ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग, उपचार और जागरूकता गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने तथा नेटवर्क की समस्या वाले क्षेत्रों में शिविर लगाकर कार्ड बनाने के निर्देश दिए। वय वंदन कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को मैदानी निरीक्षण करने कहा।

इसके साथ ही एचपीवी टीकाकरण, नियमित टीकाकरण और टीबी मुक्त भारत अभियान में प्रगति लाने के निर्देश दिए। एचआरपी मामलों का संवेदनशीलता के साथ बेहतर ढंग से निराकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

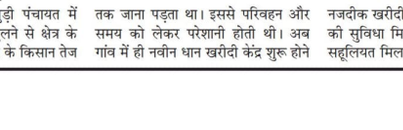


शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विद्यालयों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों की पढ़ाई की गुणवत्ता बेहतर बनाने, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण कराने और परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। विद्यार्थियों का नियमित अंतराल पर टेस्ट लेने तथा इसकी मैदानी स्तर पर निगरानी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को दिए। सभी एसडीएम को भी बच्चों की शिक्षा की नियमित निगरानी करने कहा। इसके अलावा स्कूल भवनों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सूरजपुर के परीक्षा साथी ऑनलाइन प्लेटफार्म की जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों को बेहतर नोट्स एवं वीडियो लेक्चर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन एन जी ओ के सहयोग से पंचायत स्तर पर बाल अधिकारों के संरक्षण के उद्देश्य से संचालित सुरक्षित बाल ग्राम कार्यक्रम के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। इस दौरान चाइल्ड राइट एसोसिएट गौरव नंदी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत नीति आयोग के एजुकेशन, हेल्थ एंड न्यूट्रिशन, एग्रीकल्चर एंड वाटर रिसोर्स, स्किल डेवलपमेंट, कैपेसिटी बिल्डिंग तथा बाल सुरक्षा से जुड़े विषयों पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने मानव-हाथी द्वंद्व की स्थिति की समीक्षा करते हुए हाथियों की नियमित एवं प्रभावी निगरानी करने तथा जनसुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में पुलों की स्थिति, सड़क एवं यातायात व्यवस्था, आवागमन की सुविधाओं और निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा।इसके साथ ही पीएम सूर्यघर योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की। धान खरीदी के शुभारंभ के बाद उपार्जन केंद्रों में खरीदी की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा धान खरीदी सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नवीन धान खरीदी केंद्रों से दूरी और परिवहन की परेशानी हुई कम, किसानों में खुशी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। किसानों की सुविधा और धान खरीदी को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिले में नवीन धान खरीदी केंद्रों की शुरुआत से किसानों को बड़ी राहत मिली है। अब किसानों को धान बेचने के लिए दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक नहीं जाना पड़ रहा है। गांव के नजदीक ही खरीदी केंद्र उपलब्ध होने से समय, श्रम और परिवहन खर्च की बचत हो रही है। तिवरागुड़ी पंचायत में नवीन धान खरीदी केंद्र खुलने से क्षेत्र के किसानों में खुशी है। उमापुर के किसान तेज साहू, सोमार साय एवं मकरंदीपुर के रविशंकर देवांगन ने बताया कि पहले उन्हें धान बेचने के लिए उमापुर धान खरीदी केंद्र तक जाना पड़ता था। इससे परिवहन और समय को लेकर परेशानी होती थी। अब गांव में ही नवीन धान खरीदी केंद्र शुरू होने से यह समस्या दूर हो गई है और धान विक्रय करना काफी आसान हो गया है। किसानों ने बताया कि इस वर्ष तुहर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे आसानी से धान विक्रय के लिए टोकन मिल गया। टोकन प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि शासन की इस व्यवस्था से धान खरीदी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक हुई है। गांव के नजदीक खरीदी केंद्र और ऑनलाइन टोकन की सुविधा मिलने से किसानों को काफी सहूलियत मिल रही है।





उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। चार दिवसीय छठ महापर्व का सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ भव्य समापन हो गया। जैसे ही उदीयमान सूर्य की पहली किरण पूरन तालाब के जल पर पड़ी, हजारों श्रद्धालुओं ने जय छठी मैया के जयघोष के साथ सूर्य देव को नमन किया। 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद व्रती महिलाओं के चेहरे पर संतोष और आस्था का तेज झलक रहा था। भोर 3 बजे से ही पूरन तालाब, किलकिला और पुरानी बस्ती के घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। नहाय-खाय से शुरू हुआ व्रत खरना, संध्या अर्घ्य होते हुए उषा अर्घ्य तक पहुंचा। पूरे घाट में छठ के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। व्रतियों ने बांस के सूप और दौरा में ठेकुआ, चावल के लड्डू, नारियल, गन्ना, सेब, केला और नींबू जैसे मौसमी फल सजाकर सूर्य देव को अर्पित किए।

पत्थलगांव में छठ अब सिर्फ भोजपुरी समाज का पर्व नहीं, बल्कि सर्वसमाज की आस्था का संगम बन गया है। भोजपुरी समाज के साथ स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो सामाजिक समरसता की बड़ी मिसाल बना। भोजपुरी समाज समिति द्वारा घाटों को दुल्हन की तरह सजाया गया था। रंग-बिरंगी लाइटों, झालरों और फूलों की सजावट के बीच युवाओं के लिए बनाया गया सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा। समिति द्वारा प्रसाद वितरण की भी उत्तम व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। घाट पर एसडीआरएफ की टीम और दमकल वाहन तैनात रहे। थाना प्रभारी जितेन्द्र एस. ताम्रकार स्वयं मौजूद रहकर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था संभालते रहे।

इस अवसर पर विधायक गोमती साय घाट पर पहुंचीं। उन्होंने व्रती महिलाओं के साथ घुटने भर पानी में उतरकर सूप उठाकर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की और छठी मैया का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, छठ व्रत सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि नारी शक्ति के त्याग, तपस्या और समर्पण का प्रतीक है। एक महिला अपने परिवार की सुख-शांति और संतान की लंबी उम्र के लिए 36 घंटे बिना जल के व्रत रखती है, इससे बड़ी आस्था और क्या होगी। यह पर्व हमें प्रकृति से जोड़ता है। उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ ही लोक आस्था का महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया और व्रती अगले बरस फिर इसी आस्था के साथ लौटने के वादे के साथ घरों को लौट गए।

बिजली बिल वसूली करने पहुंचे असिस्टेंट इंजीनियर के साथ मारपीट, पिता-पुत्र गिरफ्तार, भेजे गए जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। 1.67 लाख बकाया बिजली बिल की वसूली के दौरान विवाद एवं मारपीट का मामला सामने आया है। बिजली बिल वसूली करने पहुंचे असिस्टेंट इंजीनियर के साथ मारपीट कर चोट पहुंचाने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मामला थाना बगीचा क्षेत्र के ग्राम महादेवडांड़ की घटना है। आरोपियों के विरूद्ध थाना बगीचा में अपराध क्रमांक 300/2026, धारा 296, 351(2), 221, 132, 121(1), 121(2), 3(5), 121(2) बीएनएस का अपराध दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी सोमल तिर्की उम्र 31 वर्ष, पिता पंखरासियुस तिर्की व पंखरासियुस तिर्की उम्र 73 वर्ष, पिता स्व. सिरिल तिर्की।



13 नवम्बर को प्रार्थी भूपेन्द्र राठौर, असिस्टेंट इंजीनियर, बगीचा अपने स्टाफ के साथ ग्राम महादेवडांड में बिजली बिल की बकाया राशि वसूली हेतु पहुंचा था। गांव में बिजली बिल की लगभग 1,67,000 की बकाया राशि वसूली के दौरान पंखरासियुस तिर्की द्वारा विवाद किया जाने लगा। आरोपी द्वारा बकाया राशि अदा करने के बजाय विवाद करते हुए गाली-गलौज करने लगा, इस दौरान उसका पुत्र सोमल तिर्की दौड़कर आया और वह प्रार्थी को जान से मारने की धमकी देते हुए लकड़ी के डंडे एवं अन्य वस्तु से हमला किया गया, जिससे प्रार्थी के सिर एवं कंधे में चोट आई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बगीचा में अपराध क्रमांक 300/2026, धारा 296, 351(2), 221, 132, 121(1), 121(2), 3(5), 121(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त गंभीर रिपोर्ट पर थाना बगीचा पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए प्रकरण में संलिप्त पिता-पुत्र दोनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार किया गया, आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त अपराध पाये जाने पर उन्हें दिनांक 15.11.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक विक्रांत कुमार सोन, उप निरीक्षक अर्जुन यादव, प्र.आर. इस्ताक खान, आर. 685 मुकेश पाण्डेय, आर. महेश मालाकार इत्यादि का योगदान रहा है।

डीआईजी एवं एसएसपी जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा कहा गया है कि:-

"शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करना एवं शासकीय कर्मचारियों के साथ मारपीट करना गंभीर अपराध है। कानून को हाथ में लेने वालों के विरूद्ध पुलिस सख्त वैधानिक कार्यवाही करेगी। आम नागरिक कानून का सम्मान करें एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।"



कौशल्या साय ने सुनाई बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान की गाथा, जगाई स्वाभिमान की अलख

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय कंवर समाज के पमशाला स्थित केंद्रीय कार्यालय में जनजातीय गौरव दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा एवं वीर शहीद सीताराम कंवर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके त्याग, संघर्ष एवं बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके जीवन संघर्ष, अदम्य साहस, जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा तथा देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए उनके ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला।

श्रीमती कौशल्या साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जनजातीय समाज में स्वाभिमान, एकता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की अलख जगाई।

उनका संघर्ष और बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस हमें अपने महापुरुषों, वीर शहीदों और गौरवशाली जनजातीय परंपराओं को याद करने तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश देता है। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत साय, महासचिव मंगरू साय पैंकरा, पूर्व महासचिव भजन साय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हेमंत साय, आर एन साय, सुशीला पैंकरा, हेमंती साय, राकेश पैंकरा, राजकुमारी साय, देवंती पैंकरा, राधिका पैंकरा, स्वधा साय, बिलासो पैंकरा, सरिता पैंकरा, वेदप्रकाश भगत सहित अखिल भारतीय कंवर समाज के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। सभी ने महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने और समाज की एकता, संस्कृति एवं गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

5 साल की मासूम से दरिंदगी पर कोर्ट का कड़ा फैसला, आरोपी को आजीवन कठोर कारावास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट), कुनकुरी ने 5 वर्षीय मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 23 वर्षीय आरोपी अंकित कुजूर को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश दीपक कुमार देशलहरे की अदालत ने आरोपी को आजीवन कठोर कारावास और 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने पर 2 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक भरत राम यादव ने सशक्त पैरवी की।



क्या था मामला

अभियोजन के अनुसार घटना 14 जून 2025 की रात तपकरा थाना क्षेत्र की चौकी करडेगा अंतर्गत ग्राम पण्डरीअम्बा (मधुटोली) की है। आरोपी अंकित कुजूर पीड़िता के घर शराब पीने आया था और वहीं रुक गया था। रात करीब 9 बजे पीड़िता के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर मां नीचे पहुंची और आरोपी को बच्ची के साथ गलत कृत्य करते देखा। मां ने साहस दिखाते हुए बेटी को बचाया, आरोपी को कमरे में बंद किया और शोर मचाकर पति को बुलाया। मौके पर आरोपी फरार हो गया। परिजनों ने तत्काल थाना तपकरा (चौकी करडेगा) में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 65(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 5(ड)/6 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को 15 जून 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस ने पीड़िता व आरोपी के कपड़े, घटनास्थल की चटाई व अन्य जैविक नमूनों को जब्त कर एफएसएल सरगुजा से परीक्षण कराया और 11 अगस्त 2025 को न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया।

न्यायालय की टिप्पणी

विचारण के दौरान बचाव पक्ष ने पहला अपराध और कम उम्र का हवाला देकर कम सजा की गुहार लगाई। वहीं विशेष लोक अभियोजक ने अपराध की क्रूरता, पीड़िता की महज 5 वर्ष की आयु और ठोस वैज्ञानिक व मौखिक साक्ष्यों के आधार पर कठोरतम सजा की मांग की।न्यायालय ने बचाव पक्ष की दलील खारिज करते हुए कहा कि 12 वर्ष से कम आयु की अबोध बालिका के साथ किया गया यह कृत्य अत्यंत गंभीर एवं जघन्य प्रकृति का है, जिसमें किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जा सकती।

पीड़िता को प्रतिकर का भी आदेश

अदालत ने पीड़िता के पुनर्वास के लिए बीएनएसएस 2023 की धारा 395 सहपठित धारा 396 एवं पॉक्सो अधिनियम की धारा 33(8) के तहत पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत उचित क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने हेतु निर्णय की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जशपुर को भेजने का आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप पीड़िता व उसके परिवार की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है।

पंचायत में 'बेटा राज' और भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा, रायकेरा में उपसरपंच समेत 10 पंचों ने खोला मोर्चा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। जनपद पंचायत कुनकुरी की ग्राम पंचायत रायकेरा में भ्रष्टाचार और 'बेटा राज' का बड़ा मामला सामने आया है। वृद्ध महिला सरपंच फुल्केरिया टोप्पो की आड़ में उनके पुत्र अयाज विनोद टोप्पो और सचिव जगदीश यादव पर मिलीभगत कर सरकारी राशि के कथित गबन का आरोप लगा है।इस खिलाफ उपसरपंच समेत 12 में से 10 वार्ड पंचों ने मोर्चा खोल दिया है। पंचों ने कलेक्टर जनदर्शन (टोकन नंबर टीएल20261103135795 01) में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसकी प्रतियां सीईओ जिला पंचायत जशपुर और एसडीएम कुनकुरी को भी सौंपी गई हैं।

पंचों का आरोप है कि सरपंच पुत्र गैर-कानूनी तरीके से पंचायत के प्रशासनिक और वित्तीय कामकाज संचालित कर रहा है। ग्राम सभा और पंचों की सामान्य सभा की बैठक बिना बुलाए, बिना प्रस्ताव पारित किए फर्जी दस्तावेजों के सहारे 15वें वित्त आयोग, मूलभूत राशि और अन्य योजनाओं की मोटी रकम का अवैध आहरण कर लिया गया है। शिकायत में



कहा गया है कि निकाली गई राशि का कोई ब्योरा न तो पंजी में दर्ज है और न ही सूचना पटल पर चस्पा है। हिसाब मांगने या रिकॉर्ड देखने पर सचिव और सरपंच पुत्र द्वारा डराया-धमकाया जाता है और रिकॉर्ड दिखाने से इनकार कर दिया जाता है।

पंचों ने मांग की है कि पूरे वित्तीय गबन की मौके पर उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच के लिए जांच दल गठित किया जाए। बैंक स्टेटमेंट और बैंक बुक की जांच कर सचिव जगदीश यादव को निलंबित किया जाए। अवैध हस्तक्षेप और धोखाधड़ी पर सरपंच पुत्र और सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम की धारा 40 एवं 92 के तहत दंडात्मक और वसूली की कार्रवाई की जाए। अब सभी की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।



बारहमासी आवागमन की सुविधा से खिले चेहरे, क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री और प्रशासन का जताया आभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में आवागमन की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में डूमरबहार से तमता मार्ग पर शेखरपुर के पास बूढ़ा नाला में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।पुल पर आवागमन प्रारंभ होने से अब क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। इस उच्चस्तरीय पुल का निर्माण 373.73 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से कराया गया है। पुल की कुल लंबाई 69 मीटर है, जिसमें 23-23 मीटर के तीन स्पान बनाए गए हैं। पुल के साथ पहुंच मार्ग का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। इससे पहले बूढ़ा नाला में आवागमन के दौरान विशेषकर बरसात के दिनों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब उच्चस्तरीय पुल बनने से क्षेत्रवासियों को वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से सीधा संपर्क हुआ आसान

इस पुल का निर्माण क्षेत्र की कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। पुल के माध्यम से यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के दोनों छोरों को जोड़ता है। इससे जिला मुख्यालय जशपुर सहित विधानसभा मुख्यालय एवं विकासखंड पत्थलगांव तक बारहमासी संपर्क सुगम हुआ है। स्थानीय नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों और मरीजों को आवागमन में इसका सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों और विकास कार्यों को भी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले में आधारभूत संरचनाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़कों और पुलों के निर्माण से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के साथ ही आम नागरिकों के जीवन को सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य हो रहे हैं।

उच्चस्तरीय पुल का निर्माण पूर्ण होने और आवागमन प्रारंभ होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों ने इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुल बनने से वर्षों से आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिली है और अब बरसात के दिनों में भी आवागमन बाधित होने की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने आरा में किया छत्तीसगढ़ के पहले नर्सिंग कौशल कॉलेज का शुभारंभ, 120 बेटियों को मिलेगा दो वर्षीय एएनएम का प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज ग्राम पंचायत आरा में छत्तीसगढ़ के पहले नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित होगा। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है, जिनमें 90 प्रतिशत छात्राएं जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सिंग सेवा केवल रोजगार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। आधुनिक लैब, छात्रावास और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित इस संस्थान में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जनजातीय गौरव दिवस और छठ महापर्व के पावन अवसर पर कॉलेज का शुभारंभ सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण में नर्सों की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था,



अब संख्या बढ़कर 15 से अधिक हो गई है। इस वर्ष एक साथ 5 नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो रहे हैं। कुनकुरी मेडिकल कॉलेज का स्थायी भवन चरईडांड में बनेगा, फिलहाल संचालन झरगांव स्थित पॉलिटेक्निक भवन में हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर मिशन मोड में काम हो रहा है। मोदी की गारंटी के वादों को पूरा किया जा रहा है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं, इस वर्ष 360 नए धान खरीदी केंद्र शुरू हुए हैं। अब कुल 3100 केंद्रों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होगी। प्रति एकड़ 21 क्विंटल की पात्रता के अनुरूप किसानों को पूरा लाभ मिलेगा, शेष मात्रा की अंतर राशि बैंक खातों में दी जाएगी। विधायक रायमुनी भगत ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से इस परियोजना को अल्प समय में प्रारंभ किया गया। प्रतिवर्ष 120 छात्राओं को प्रशिक्षण मिलेगा। पैन आईआईटी एलुमनी के चेयरमैन प्रभात कुमार ने कहा कि संस्था का उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ाना है। प्रचेत फाउंडेशन का गठन छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के बीच गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम के रूप में किया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह